डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

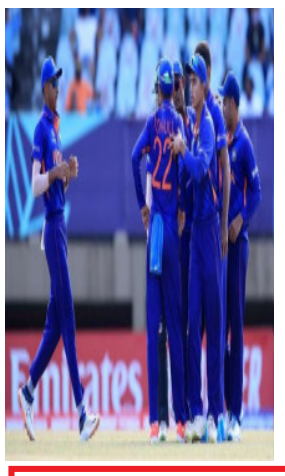

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः वेब सीरीज से डिजिटल डेब्यू कर रहे मिथुन चक्रवर्ती

वर्ष -07 अंक -327 | प्रयागराज, सोमवार 31 जनवरी, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

एंटरप्रेन्योर के तौर पर कोई नया बिजनेस शुरू करके आप लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें

नई दिल्ली। पहले जिस तरह हमारे बुजुर्ग शिक्षक दिवस, गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस से जुड़े बहुत से किस्से-कहानियां हमें सुनाया करते थे। जिस तरह से वीरता की, आजादी की और युद्ध की कहानियां सुनकर हम पले-बढ़े, वैसा आज की नई पीढ़ी में नहीं देखने को मिलता। एक तरह से आज के दौर में बच्चों को यह सब कहानियां सुनाने का प्रचलन खत्म सा हो गया है। हम लोग जब भी कहीं भी कोई कमी देखते हैं, तो बस सरकार की जिम्मेदारी समझकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। मेरा मानना है कि या तो आप समाधान का हिस्सा हैं या आप ही समस्या हैं। जबकि हमें यह समझना चाहिए कि सिर्फ सरकार के भरोसे बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। हम सबको दो चार दिनों के देशप्रेम के बजाय चौबीसों घंटे देशप्रेम की अहमियत को समझना होगा। हमें लगता है हम यह भूल चुके है कि देश प्रेम क्या होता है। अगर हम 130 करोड़ भारतवासी ठान लें, तो क्?या नहीं कर सकते, कौन सा लक्ष्य नहीं प्राप्त कर सकते। लेकिन इसके लिए सबसे पहले हमें अपनी मानसिकता पर विजय प्राप्त करनी होगी। बदलें अपनी मानसिकता : मानसिकता बदलने के यहां कई आशय हैं। सबसे पहले तो हमें यह देखना होगा कि क?या हम सचमुच देश से प्रेम करते हैं? अगर इसका जवाब हां है, तो हम जहां हैं, जिस परिस्थिति में हैं, वहीं से देश की सेवा कर सकते हैं। देश सेवा के लिए सेना में भर्ती होना जरूरी नहीं है। सरकारी नौकरी या किसी पद की भी आवश्यकता नहीं है।

2022: मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने विधानसभा चुनाव लड़ने पर तोड़ी चुप्पी, बताई ये वजह

पणजी, : गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर पणजी से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है। उत्पल पर्रिकर जनता के घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर के बेटे ने चुनाव लड़ने पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने एएनआइ से बातचीत में कहा है कि, परिस्थितियां ऐसी बनी, जिस वजह से उन्हें पणजी से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। उत्पल ने कहा कि, मैं पणजी में हर व्यक्ति से मिलने की कोशिश करूंगा, और मैं, लोगों को एक अच्छा विकल्प देना चाहता हूं। दरअसल, पूर्व सीएम दिवंगत मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने पणजी विधानसभा सीट से पर्चा भर दिया है। उत्पल पणजी से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रोन्नति में आरक्षण के लिए उचित प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाना जरूरी, जानें सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या बातें कही

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) को प्रोन्नति में आरक्षण पर शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रोन्नति में आरक्षण के लिए क्वांटीफेबल (परिमाण या मात्रा के) आंकड़े जुटाने में कैडर को एक यूनिट माना जाना चाहिए न कि संपूर्ण सेवा को। कोर्ट ने कहा कि प्रोन्नति में आरक्षण देने के लिए अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाना जरूरी है, साथ ही इसकी समय-समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए। प्रोन्नति में आरक्षण के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व न होने के बारे में कोर्ट कोई मानक तय नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एससी-एसटी के उचित प्रतिनिधित्व के बारे में आंकड़े एकत्र करना राज्य का दायित्व है। कोर्ट ने एससी-एसटी के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के आकलन के मानक तय करना राज्य पर छोड़ा है। यह अहम फैसला शुक्रवार को जस्टिस एल. नागेश्वर राव, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने प्रोन्नति में आरक्षण के कानूनी मुद्दों पर सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में गत 26 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रखा था। फैसले में कोर्ट ने कहा कि प्रोन्नति में आरक्षण के मात्रात्मक आंकड़े (क्वांटीफेबल डाटा) एकत्र करने के लिए कैडर एक इकाई के तौर पर होना चाहिए। संग्रह पूरे वर्ग, वर्ग समूह के संबंध में नहीं हो सकता, लेकिन यह उस पद के ग्रेड, श्रेणी से संबंधित होना चाहिए जिस पर प्रोन्नति मांगी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कैडर मात्रात्मक आंकड़े (क्वांटीफेबल डाटा) एकत्र करने की इकाई होना

चाहिए। यदि डाटा का संग्रह पूरी सेवा के लिए किया जाएगा तो यह अर्थहीन होगा। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीके पवित्रा (द्वितीय) के फैसले में समूहों के आधार पर आंकड़ों के संग्रह को मंजूरी देना न कि कैडर के आधार पर, कोर्ट के एम. नागराज और जनरैल सिंह के फैसले में दी गई व्यवस्था के खिलाफ है। पीठ ने कहा कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व और पर्याप्तता के परीक्षण के बारे में जाने से जनरैल सिंह के फैसले में मना कर दिया गया था। पीठ ने कहा कि हम इसमें नहीं गए हैं। हमने प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखते हुए पद की पदोन्नति में एससी-एसटी के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का आकलन राज्य पर छोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एससी-एसटी के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का निर्धारण करने के लिए और पदोननति में आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से डाटा के संबंध में समीक्षा की जानी चाहिए और समीक्षा की अवधि उचित होनी चाहिए। कोर्ट ने समीक्षा की अवधि निर्धारित करना सरकार पर छोड़ा है। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित है जिनमें कोर्ट से प्रोन्नति में आरक्षण के बारे में व्याप्त भ्रम दूर करने का आग्रह किया गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका भी लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को साफ किया कि वह किसी भी लंबित याचिका की मेरिट पर कोई विचार प्रकट नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस फैसले में तय की गई कानूनी व्यवस्था के आधार पर लंबित याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने लंबित याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 24 फरवरी की तारीख तय की है। याचिकाओं को मुद्दों के मुताबिक समूहों में बांटा गया है। केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका भी लंबित है। 24 फरवरी को कोर्ट कुछ राज्यों और केंद्र की याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इसमें केंद्रीय गृह सचिव के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर भी सुनवाई होगी। मामले पर पहले हुई सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल ने प्रोन्नति में आरक्षण की तरफदारी करते हुए कहा था कि 75 साल बाद भी हम एससी-एसटी को मेरिट में फारवर्ड क्लास के साथ नहीं ला सके। केंद्र और राज्यों ने कहा था कि एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण लागू करने के लिए कोर्ट केंद्र और राज्यों के लिए निश्चित और निर्णायक आधार तय करे। केंद्र सरकार ने सुनवाई के दौरान एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण दिए जाने के आंकड़े भी कोर्ट में पेश किए थे। कोर्ट ने आरक्षण की समीक्षा आदि को लेकर सरकार से कई सवाल भी पूछे थे। केंद्र और राज्य सरकारों ने प्रोन्नति में आरक्षण के बारे में 2006 के एम. नागराज फैसले में तय किए गए मानकों पर कहा था कि इस फैसले के बाद प्रोन्नति में आरक्षण को लेकर हाई कोर्ट की स्क्रूनिंग इतनी सख्त हो गई है कि कोई भी राज्य प्रोन्नति में आरक्षण लागू नहीं कर पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुरू में ही साफ कर दिया था कि वह एम. नागराज और जनरैल सिंह मामले में दिए गए फैसले को फिर से नहीं खोलेगा। एम. नागराज मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने से पहले अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाने की अनिवार्यता बताई थी। साथ ही आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी थी। आंकड़े नहीं होने के आधार पर ही कई राज्यों के प्रोन्नति में आरक्षण के मामले हाई कोर्टी से खारिज हो गए जिसके बाद राज्य सरकारें सुप्रीम कोर्ट में आई थीं। मध्य प्रदेश, बिहार महाराष्ट्र आदि राज्यों की अपीलें लंबित हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को तीन टन आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं भेजीं, तालिबान के कब्जे के बाद से लगातार जारी है मानवीय सहायता

नई दिल्ली, । तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में भारत लगातार मानवीय सहायताएं भेज रहा है। इसी कड़ी में भारत ने अफगानिस्तान को 3 टन आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं से युक्त चिकित्सा सहायता के चौथे बैच की आपूर्ति की है। ये चिकित्सा सहायता आज काबुल के इंदिरा गांधी अस्पताल सौंप दी गई। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय (र्ईं) ने दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारत पहले ही चिकित्सा सहायता के 3 शिपमेंट की आपूर्ति कर चुका है, जिसमें कोरोना वैक्सीन की

500,000 खुराक और अफगानिस्तान को आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं शामिल हैं। साथ ही कहा कि आने वाले हफ्तों में हम अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय सहायता के अधिक बैचों की आपूर्ति करेंगे जिसमें दवाएं और खाद्यान्न शामिल हैं।

थमने लगी कोरोना की रफ्तार तो खुलने लगे स्कूल जानें किन राज्यों ने स्कूलों को खोलने का लिया फैसला

नई दिल्ली, । देश में कोरोना की तीसरी लहर अब थमती नजर आ रही है। स?कूली बच्चों में संक्रमण की रोकथाम के लिए 15 से 18 साल के किशोरों का टीकाकरण भी जारी है। सूत्रों की मानें तो केंद्र सरकार पर इस मसले पर कोई बड़ी पहल कर

सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह से देशभर में स्कूलों को खोलने के तौर-तरीकों पर सुझाव देने को कहा है। महामारी के कम होते प्रकोप को देखते हुए कई राज?यों ने स?कूलों को फिर से खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आइये जानें किन राज?यों में स?कूल चुके हैं या खुलने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में 24 जनवरी से कक्षा पहली से 12वीं तक के स्कूलों को खोला गया है। हालांकि राज?य में अधिक संक्रमण दर वाले जिलों में स्कूलों को खोलने का फैसला स्थानीय प्रशासन पर छोड़ दिया गया है। हरियाणा सरकार ने पहली फरवरी से सभी सरकारी और निजी स्कूलों को खोलने का आदेश दिया है। राज?य में पहली फरवरी से स?कूलों में 10वीं से बारहवीं तक की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक छठी से नौवीं तक की कक्षाएं शुरू करने के लिए फैसला बाद में लिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने पहली फरवरी से कक्षा एक से 12 तक के छात्रों के लिए कक्षाएं फिर से शुरू करने की घोषणा की है। वहीं कर्नाटक सरकार ने 31 जनवरी से पहली से नौवीं तक की कक्षाएं खोलने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 31 जनवरी से रात का कफर्यू हटा दिया जाएगा। ? उत्तर प्रदेश सरकार ने स्कूल और कालेज को छह फरवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। इस दौरान आनलाइन कक्षाएं चलती रहेंगी। वहीं दिल्ली आपदा प्रबंधन ने केंद्र शासित प्रदेश में अभी स्कूलों को खोलने की अनुमति नहीं दी है। उत्तराखंड सरकार ने 31 जनवरी से 10वीं से 12वीं तक के सभी स्कूलों को खोलने का निर्देश दिया है। हालांकि आंगनबाड़ी केंद्रों और कक्षा पहली से नौवीं तक के विद्यालय बंद रहेंगे। इनमें आनलाइन माध?यम से पढ़ाई जारी रहेगी। वहीं त्रिपुरा सरकार ने भी राज?य के सभी स्कूलों और मदरसों (प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक) को 31 जनवरी से सख?त कोविड प्रोटोकाल के साथ सामान्य रूप से खोलने की अनुमति दी है। राजस्थान सरकार ने 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए स?कूलों को पहली फरवरी से स?कूलों को खोलने के निर्देश दिए हैं। 10 फरवरी से 6वीं से 9वीं कक्षा के लिए भी आफलाइन कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी। ने कहा है कि 31 जनवरी से पहले हम कोविड की स्थितियों की समीक्षा करेंगे। अगर संक्रमण के केस कम हुए तो फिर से स्कूलों को खोलने को लेकर विचार हो सकता है।

पेगासस पर कांग्रेस ने की केंद्र को घेरने की कोशिश, कहा- इसके जरिए सरकार ने किया भारतीय लोकतंत्र को हाईजैक

नई दिल्ली । जासूसी साफ्टवेयर पोगासस पर आई एक नई रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे ने देश की सियासत में फिर से हंगामा खड़ा कर दिया है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार की जमकर आलोचना की है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी

सरकार पर पेगासस के जरिए भारतीय लोकतंत्र को हाईजैक करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी खुद इसमें शामिल हैं। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेगासस डील के मुद्दे पर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है। राहुल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, मोदी सरकार ने हमारे लोकतंत्र की प्राथमिक संस्थाओं, राज नेताओं व जनता की जासूसी करने के लिए पेगासस खरीदा था। फोन टैप करके सत्ता पक्ष, विपक्ष, सेना, न्यायपालिका सब को निशाना बनाया है, ये देशद्रोह है. मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है। रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के इशारे पर इस साफ्टवेयर के जरिए राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री कुमारास्वामी, भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत कई नेताओं की जासूसी की गई है। नरेन्द्र मोदी तो वहां से उन्होंने जो मिलिट्री इक्विपमेंट खरीदा उसके सेंटरपीस में पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर डील का हिस्सा था, तथा इसे इजराइल से 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीद गया। - राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार काउंसिल जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को रिपोर्ट करती है, उसका बजट भी 33 करोड़ से बढ़कर साल 2017 में 333 करोड़ हो गया।

कई राज्यों में दी जा रही कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील, जानें- स्कूल और कालेज खुलने के बारे में सारा अपडेट

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच, कई राज्यों के प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। बता दें कि इन राज्यों में संक्रमण के मामले लगातार कम होते हुए नजर आ रहे हैं, जिसके चलते राज्य सरकारों ने नए नियमों के तहत स्कूल, कालेज सहित सार्वजनिक स्थानों को खोलने की अनुमती ले दी है। जानें किन राज्यों

में दी गई छूट। कर्नाटक? के शिवमोग्गा में आंगनबाड.ियों में कक्षाएं जारी होने जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक ने कहा, 'हमने दूसरी लहर में आंगनवाड.ियों को बंद कर दिया था। उसके बाद हमने संस्थानों को खोलने के लिए सरकार के 50 फीसद शक्ति दिशानिर्देशों का पालन किया। अब, हम पूरी तरह से खुले हैं।' उन्होंने बताया कि जिले भर के बच्चे स्वस्थ हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए कक्षाएं फिर से शुरु की जा रही हैं। पुणे जिले में 1 फरवरी से स्कूल और कालेज फिर से खोलने जा रहे हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने बताया कि 1 फरवरी से पुणे जिले में कक्षा 1 से 8 के लिए, स्कूल का समय नियमित समय से आधा करके खोले जाएंगे, जबकि कक्षा 9 से 10 के लिए, स्कूल नियमित कार्यक्रम के अनुसार चलेगा। अभिभावकों की सहमति लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि कक्षा 1 से 8 के लिए आगे का निणय अगली बैठक में लिया जाएगा। हरियाणा में कोरोना वायरस के मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है। मामलों में आई कमी को देखते हुए राज्य सरकार ने कोविड प्रतिबंधों में, नए नियमों के तहत ढील देने की शुरूआत कर दी है। मल्टीप्लेक्स, थियेटर अब राज्य में 50 फीसद की क्षमता के साथ खुले जाएंगे। यही नहीं 1 फरवरी से दसवीं से बारहवीं तक के स्कूलों सहित कालेज, विश्वविद्यालय, आईटीआई, पालिटेकिन्क, कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी व अन्य ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट खोले जा रहे हैं।

गुजरात में आईसीजी इंटरसेप्टर नाव को आया रेडियो काल, फिर जानिए क्या हुआ

पोरबंदर, । गुजरात तट के पास रात में गश्त कर रहे आईसीजी इंटरसेप्टर नाव द्वारा संकट में फंसी आईएफबी (इंडियन फिशिंग बोट) दीक्षा के टंडेल (कप्तान) को बचाने की खबर सामने आई है। बता दें कि गश्त के दौरान आईसीजी इंटरसेप्टर नाव को इस संबंध में एक रेडियो संचार प्राप्त हुआ।अगर आप प्रोग्रामर बनना चाहते हैं या फिर अपनी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को बेहतर करना चाहते हैं, तो यूट्यूब एक अच्छा प्लेटफार्म हो

संकेत मिलते ही उसने बिना समय गंवाए छूँ तक पहुंचने का काम किया। जानकारी के अनुसार इस दौरान कप्तान को बुनियादी सहायता प्रदान की गई और पोरबंदर जेट्टी में उसे उतारा गया। गौरतलब है रक्षा पीआरओ, गुजरात ने बताया कि कप्तान की हालत स्थिर है और उसे अब सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अगर आप प्रोग्रामर बनना चाहते हैं, तो यूट्यूब से सीखें प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पायथन की बारीकियां

नई दिल्ली,। अगर आप प्रोग्रामर बनना चाहते हैं या फिर अपनी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को बेहतर करना चाहते हैं, तो यूट्यूब एक अच्छा प्लेटफार्म हो सकता है। यूट्यूब पर खासकर प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पायथन से जुड़े बहुत सारे चैनल्स हैं, जहां से आप फ्री में प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पायथन की बारीकियों को सीख सकते हैं। जानते हैं कुछ ऐसे ही चैनल्स के बारे में, जिससे आपको काफी कुछ नया सीखने को मिल सकता है : एआइ स्वीगार्ट : पायथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीखने वालों के बीच यह लोकप्रिय चैनल है। इस चैनल की अच्छी बात यह शुरुआती लेवल से पायथन में कोडिंग करना सीख सकते हैं। यहां लेसंस को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है। यहां पर कोडिंग से जुड़े ट्यूटोरियल्स भी मिल जाएंगे। इस चैनल के जरिए पायथन सिखाने वाले एआइ स्वीगार्ट पेशेवर साफ्टवेयर डेवलपर हैं, जो बच्चे और वयस्कों दोनों को कोडिंग सिखाते हैं।

तजवा के मंडल अध्यक्ष मृदुल चौधरी के घर पहुंचे कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह सुनी समस्या लगाई अधिकारियों को फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज : शहर पश्चिमी के विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार

में कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह 2022 आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव प्रचार में निकले उसी दरमियान दा जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष मृदुल चौधरी के आवास पर पहुंचे एवं पूरे परिवार से भेंट कर समर्थन मांगा आवास पर भेट हेतु जाते समय उस रोड से गुजरे जिसपे सही से चलना भी दुश्वार था मंडल अध्यक्ष मृदुल चौधरी के शिकायत पर संबंधित अधिकारी को मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बुलाकर फटकार लगाई एवं जल्द से जल्द इस रोड को पुनर्निर्माण का कर सुसज्जित एवं सुंदर बनाने दिए कार्यक्रम में जनसमर्थन मांगकर एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने हेतु सिद्धार्थ नाथ सिंह ने लोगो से निवेदन किया कार्यक्रम में भैयालाल शास्त्री, जवाहर कनौजिया, लालमनी देवी ,मनोज चौधरी , मंकेश कुशवाहा शैलेश गुप्ता पूर्व विधायक शिवदानी जी , सिद्धार्थ मिश्रा एव अन्य उपस्थित रहे।

बारा में एटीएम सेंटर का हुआ उद्घाटन

बारा। प्रयागराज बारा तहसील मुख्यालय पर एटीएम सेंटर का उद्घाटन पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष शुक्ला के द्वारा किया गया। बारा तिराहे स्थित भार्गव सदन में हुए कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ने कहा कि बारा की सबसे बड़ी जरूरत की आज पूर्ति हुई है। तहसील मुख्यालय पर आज तक कोई एटीएम न होने के कारण आम जनमानस को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस मौके पर हिटाची कम्पनी के प्रदीप कुमार, वसीम अहमद, रूपेश त्रिपाठी, महेश प्रसाद त्रिपाठी, दशरथ लाल भारती, सुमन्त भार्गव, राकेश कुमार, अनीस अहमद, उमेश मौर्या, हरिओम मिश्रा , पंचराज शुक्ल, राधेमोहन पाल, कमलेश यादव, शिवम मिश्रा मंत्री सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

लायंस क्लब क्लासिक में हुई रीजन हिमांशु गुप्ता की आधिकारिक यात्रा

लायंस क्लब इलाहाबाद क्लासिक के अध्यक्ष डॉ अजय जोहरी ने क्लब के सभी सेवा कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी रीजन एवं जोन चेयरपर्सन के समस्त प्रस्तुत की। रीजन चेयरपर्सन लायन हिमांशु गुप्ता ने क्लब की गतिविधियां देखी एवं कहा क्लब अपने दायित्वों का निर्वहन लायंस मंशा के अनुरूप कर रहा है जिससे क्लब का नाम मंडल एवं मल्टीपल पर विराजमान है । जोन चेयरपर्सन लायन मुकेश अग्रवाल ने कहा मंडलअध्यक्ष के आवाहन एक मंडल एक कार्यक्रम में लायंस क्लब इलाहाबाद क्लासिक की भूमिका अग्रणी रही है और क्लब की सभाएं भी नियमित रूप से हो रही हैं। पूर्व मंडलअध्यक्ष लायन कुंवर बी एम सिंह ने बताया 11 वर्ष का यह क्लब मंडल का पहला मॉडल क्लब है। सचिव मधु सक्सेना जी ने सभी को धन्यवाद दिया। सभा में कोषाध्यक्ष लायन राजेश श्रीवास्तव ,प्रिया नारायण, राजेंद्र नारायण, डॉ वैशाली सक्सेना, इंदु यादव, दिलीप यादव, रविंद्र आदि सदस्य उपस्थित रहे।

नामांकन के समय आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन करना अनिवार्य:जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने जनपद के सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं उम्मीदवारों के लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के नियमों का कडा़ई से पालन करने का निर्देश जारी किया है।जनपद की सभी सातों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा-244-रामपुरखास, 245-बाबागंज (अ0जा0), 246-कुण्डा, 247-विश्वनाथगंज, 248-प्रतापगढ़, 249-पट्टी एवं 250-रानीगंज में पांचवे चरण में मतदान कराये जाने हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना दिनांकः01 फरवरी से नाम निर्देशन शुरू होकर दिनांकः08 फरवरी तक होगा। नाम निर्देशनों की जाँच 09 फरवरी, नाम वापसी 11 फरवरी, मतदान 27 फरवरी, मतगणना 10 मार्च होगी तथा 12 मार्च के पूर्व निर्वाचन पूर्ण कर लिया जायेगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन स्थल क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में विधानसभा क्षेत्र रामपुरखास हेतु कक्ष संख्या 01, बाबागंज (अ0जा0) हेतु कक्ष संख्या 02, कुण्डा हेतु कक्ष संख्या 03, विश्वनाथगंज हेतु कक्ष संख्या 04, प्रतापगढ़ हेतु कक्ष संख्या 05, पट्टी हेतु कक्ष संख्या 06 तथा रानीगंज हेतु कक्ष संख्या 07 निर्धारित है जिसमें नामांकन पत्रों की प्राप्ति, जांच, वापसी एवं प्रतीक आवंटन सम्बन्धी समस्त प्रक्रिया सम्पन्न होगी। उन्होने बताया है कि आवंटित कक्ष में पाँचवे चरण के लिये दिनांक 01 फरवरी से 08 फरवरी तक पूर्वन्ह 11 बजे से अपराह्व 3 बजे के मध्य रिटर्निंग आफिसर द्वारा नामांकन प्राप्त किये जायेगें। निर्धारित कक्ष में दिनांक 09 फरवरी को जाँच, दिनांक 11 फरवरी को वापसी तथा 11 फरवरी को ही चुनाव चिह्न रिटर्निंग आफिसर द्वारा दिये जायेगें। आयोग के निर्देशानुसार उम्मीदवारों के साथ आने वाले वाहनों एवं काफिले को 100 मीटर की परिधि के भीतर आने की अनुमति नहीं होगी।नामांकन कक्ष में आयोग के निर्देशानुसार उम्मीदवार के साथ 02 अन्य व्यक्ति (उम्मीदवार सहित कुल 03 कोविड प्रोटोकॉल के दृष्टिगत) ही नामांकन कक्ष में प्रवेश कर सकते है।आदेश के अनुपालन में उम्मीदवार के साथ नियत व्यक्तियों को ही रिटर्निंग आफिसर के कक्ष में प्रवेश कराया जायेगा।समस्त उम्मीदवारों को कोविड प्रोटोकाल व आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

क्राइम ब्रान्च टीम द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

प्रयागराज जनपद से माघ मेला के संगम तट पर सनन करने आई रेनू पाल पुत्री रामजगपाल जो बमेला पटेल नगर, थाना हडि़या की निवासी है। संगम तट से सनन करने के बाद लौट रही रेनू पाल का परेड मार्ग पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन निकाल लिया गया इधर उधर खोजने के बाद मोबाइल फोन न मिलने पर निराश होकर परेड थाने पर मोबाइल फोन गुम होने की सूचना दी गई परेड थाने द्वारा तत्काल सूचना क्राइम ब्रान्च टीम को बताई गई क्राइम ब्रान्च टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मोबाइल फोन को खोजा गया व रेनू पाल को सूचित किया गया कि आपका मोबाइल फोन मिल गया है इस खबर को सुनकर रेनू पाल को विश्वास नही हुआ लेकिन वह माघ मेला रिजर्व पुलिस लाइन्स मानसरोवर सभागार पहुंची जहां पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र छ्इए व क्राइम ब्रान्च टीम द्वारा रेनू पाल को मोबाइल फोन वापस किया गया रेनू पाल द्वारा मोबाइल फोन मिलने पर पुलिस के कर्तव्य परायणता से प्रसनन होकर तारीफों के पुल बांध दिये। रेनू पाल द्वारा बताया गया कि जहां इतना बड़ा मेला है वहां गायब हुआ मोबाइल फोन पुलिस द्वारा तुरन्त कार्यवाही करके खोजना पुलिस की दर्शनाथिय्यों के प्रति ईमानदारी का बोध कराती ह पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा क्राइम ब्रान्च टीम के प्रभारी रामबरन यादव व उनकी टीम को बधाई देते हुये प्रशस्ति पत्र देने की घोषणा की गई।

प्रबन्धक ने किया फर्जीबाडा,अभ्यर्थी को पता नहीं करा लिया अनुमोदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। डॉ0राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद (अयोध्या)से सम्बद्ध साधू राम विश्वकर्मा प्रगति महाविद्यालय नरोत्तमपुर, शिवपुर,बहराइच केवल फर्जी दस्तावेजों के सहारे चलाया जा रहा है।कूट रचित दस्तावेजों को अंजाम देने में माहिर इस महाविद्यालय का प्रबंधक छन्नू लाल विश्वकर्मा न केवल विश्वविद्यालय की आँखों में धूल झोंकता रहा है बल्कि कई युवाओं के साथ छल एवं ठगी करते हुए उनका भविष्य चौपट कर रहा है। बहराइच से लगभग 35 किलोमीटर दूर अति पिछड़े क्षेत्र नरोत्तमपुर गाँव में स्थित इस महाविद्यालय का प्रबंधक छन्नू लाल विश्वकर्मी इस महाविद्यालय में अनुमोदित 9प्रवक्ताओं में से 7 प्रवक्ताओं का अनुमोदन फर्जी ढंग से करवाया है।जिन लोगों का उसने अनुमोदन करवाया है।उन युवाओं को स्वयं नहीं मालूम है कि उनका अनुमोदन साधु राम विश्वकर्मा प्रगति महाविद्यालय नरोत्तमपुर शिवपुर बहराइच में करवाया गया है।विश्वविद्यालय में नियुक्त अपने रिश्तेदार बाबू अनिल अनिल शर्मा की मिलीभगत से कूट रचित दस्तावेजों को तैयार करके उसने महाविद्यालय में 7 लोगों का प्रवक्ता के पद पर अनुमोदन करवाया है।इन प्रवक्ताओं को खुद ही नहीं मालूम कि उनका अनुमोदन उस महाविद्यालय में चल रहा है।फर्जी ढंग से उनका आधार कार्ड,उनका फर्जी मोबाइल नंबर,फर्जी पता डालकर उसने उन 7 लोगों का अनुमोदन प्रवक्ता पद पर करवाया है यह प्रवक्ता आज तक न तो उस महाविद्यालय को देखे हैं न गये हैं। परीक्षा में तो जाने का सवाल ही नहीं है। इस बात की कई बार शिकायत भी की जा चुकी है।यहाँ नियुक्त प्रतापगढ़ के पूर्व प्राचार्य ने भी विश्वविद्यालय को इस बारे में अवगत करवाया था लेकिन विश्वविद्यालय आँख पर पट्टी बाँधकर विश्वविद्यालय के बाबू अनिल शर्मा के रिश्तेदार के इस महाविद्यालय पर कोई कार्यवाही करना उचित नहीं समझता।परीक्षा में प्राचार्य अनुमोदित न होते हुए भी उस महाविद्यालय को केंद्र बना दिया जाता है और एकमात्र प्रवक्ता डॉ0संजय शर्मा के सहारे महाविद्यालय की परीक्षा संपनन करवाई जाती है। एक भी अनुमोदित प्रवक्ता के द्वारा परीक्षा ड्यूटी न करने पर भी और प्राचार्य के न होने पर भी इस महाविद्यालय के विरुद्ध कार्यवाही न होना विश्वविद्यालय की मिलीभगत का परिणाम है जिसमें अनिल शर्मा का बहुत बड़ा हाथ है। अयोध्या के अधिवक्ता अनीश विक्रम सिंह ने महाविद्यालय के प्रबंधक छन्नूलाल विश्वकर्मा को नोटिस देकर महाविद्यालय में कूट रचित ढंग से जिन लोगों का अनुमोदन करवाया है उनका मोबाइल नंबर,शैक्षिक प्रमाण पत्र,आधार कार्ड आदि प्रदान करने की माँग की है अन्यथा उनके विरुद्ध हो मुकदमा दर्ज करने की बात कही है।अनीश विक्रम सिंह के अनुसार कैलाश सिंह पुत्र पान सिंह प्रवक्ता जंतु विज्ञान,अरविंद कुमार ओझा पुत्र काली प्रसाद ओझा प्रवक्ता भौतिक विज्ञान,भूपेंद्र सिंह पुत्र वीरेंद्र बहादुर सिंह प्रवक्ता गणित, आशा गुप्ता पुत्री सूर्य बिहारी गुप्ता प्रवक्ता रसायन विज्ञान, डॉक्टर नीलम पतनी शेषमणि प्रवक्ता संस्कृत,डॉ0सुशील कुमार पुत्र केशनाथ प्रवक्ता समाजशास्त्र, डॉ0अमित मंगलम पुत्र राम विशाल तिवारी प्रवक्ता गृह विज्ञान का अनुमोदन कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर करवाया गया है।इसकी पहले भी शिकायत की जा चुकी है लेकिन विश्वविद्यालय ने कोई कार्यवाही है।विश्वविद्यालय ने यदि इन प्रवक्ताओं को अपने सम्मुख आधार कार्ड के साथ बुलाया होता,इनके बैंक खाते का विवरण माँगा होता तो इस फर्जीबाडे का खुलासा बहुत पहले हो गया होता।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

प्रयागराज साइबर सेल और जिला पुलिस की आपसी सहयोग से अतराजीय साइबर अपराध करने वाले गैंग के तीन लोगों को गिरफ्तार कर साइबर अपराध को रोकने में सक्षम हुई है।

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। पूरा मामला प्रयागराज में लगातार हो रहे साइबर अपराध का है जहां लोगो के साथ हो रहे साइबर अपराध कर उनके खाते से लाखो रुपए की चोरी हो रही थी। इसको लेकर प्रयागराज साइबर सेल और जिला पुलिस ने टीम बनाकर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी।इस टीम ने कैंट थाना क्षेत्र से तीन कुख्यात साइबर अपराधी गिरफ्तार किए गए और उनके पास से कई कूट रचित कागज और सिम कार्ड तथा मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त में इकबाल अहमद जो वोडाफोन में कार्य करता था ये अपने डिट्रीब्यूटरो से एनैक्टिवेट सिम कार्ड लेकर एक्टिवेट कर बेचने का काम करता था। दूसरे अभियुक्त कलीश अहमद लखीमपुर खीरी में अपने दुकान से पेटियम अकाउंट बनाता था। सैलेश यादव पेटीएम कंपनी में कार्यरत था और आधार कार्ड को जोड़कर ट्रांजैक्शन अमाउंट को बढ़ा देता था उसके बाद सांसों से साडे ?700 प्रति सिम के डर से विभिनन राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल बिहार झारखंड गुजरात राजस्थान हरियाणा दिल्ली में मौजूद साइबर अपराधियों के पास कोरियर कर देता था और उक्त फर्जी सिम कार्ड का प्रयोग कर अपराधियों द्वारा आम जनमानस के विभिनन साइबरपोर्ट करने का काम करते थे पूछताछ के दौरान लगभग 5000 सिम कार्ड सप्लाई की जाने की पुष्टि हुई है इन सभी संकटों का पेमेंट गूगल पर फोन पर के माध्यम से लिया जाता था इस पूरे मामले में इकबाल अहमद पुत्र असगर अली निवासी लखीमपुर खीरी अलीशा मत निवासी सीतापुर और शैलेश यादव निवासी जानकीपुरम गुडंबा थाना लखनऊ गिरफ्तार हुए हैं एवं कलीम कपिल वर्मा राममूर्ति और राजू मंडल की तलाश जारी है। गिरफ्तारी के दौरान 124 कूट रचित आधार कार्ड 393 कूट रचित वोडाफोन आइडिया के सिम कार्ड 113 अन एक्टिवेट सिम कार्ड 1 फिंगर प्रिंट मशीन एक लैपटॉप सात आदत मोबाइल फोन और ?24600 नगद प्राप्त हुए हैं।

चुनाव में महीने भर शेष नहीं बनी पुलिया।

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। लोक निर्माण खंड 4

की फूलपुर मुबारकपुर रोड जिस पर अभी तक पैचिगं कार्य भी नहीं हो सका। उसी बीच कुतुबपुर गांव के सामने शारदा सहायक खंड 39 की सौरहा माइनर की पुलिया ध्वस्त हो गई। आधी रोड से आवागमन चालू है। परंतु ओवरलोड ट्रकों ने उसकी भी सेहत बिगाड़ दी है। मामले को फूलपुर के एसडीएम अम्बरीश कुमार बिंद के संज्ञान में लाया गया। परंतु वह भी यह काम नहीं करा सके। चुनाव माह भर शेष है। ऐसे में प्रशासनिक वाहनों के आने-जाने का संकट हो सकता है। बता दें कि 2 दर्जन बूथो की निगरानी इस रास्ते से होती है। यदि अस्थाई व्यवस्था नहीं हुई तो आमजन से लेकर अधिकारी व पुलिस बल चुनावी वाहनों का रास्ता बंद हो सकता है।

मुजतबा ने जताया राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। प्रतापपुर के बसपा विधायक हाजी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी ने शनिवार को फूलपुर में अपने विद्यालय प्रांगण में सपा कार्यकर्ताओं तथा फूलपुर के सम्मानित लोगों के बीच बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आश्वासन पर मैंने पार्टी ज्वाइन की थी। उन्होंने फूलपुर का टिकट देने का वादा किया था। जो सच कर दिखाया। मैं उनका तहे दिल से मशकूर हूं। आगे कहा कि 2 बार सोराव एक बार प्रतापपुर से विधायक रहा। हो सकता है। चौथी बार फूलपुर की सम्मानित जनता मुझे पुनः चांस दे। जिसके लिए आपके बीच आया हूं। मौके पर मोहम्मद परवेज आलम, जियाउद्दीन अहमद, सददन भाई, रामचंद्र यादव, रामबली यादव, विजय मिश्र, अशोक यादव, सुल्तान सिद्दीकी, रमेश तिवारी, सचिन यादव, मोहम्मद मोबीन अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

हर विधान सभा में बनेंगे माडल व महिला बूथ

बलिया : जिले के सातों विधान सभा में छठवें चरण के दौरान तीन मार्च को मतदान होंगे, इसके लिए चार फरवरी को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। उसके बाद नामांकन शुरू होगा। विधान सभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग की ओर से कई तरह के प्रयोग किए जा रहे हैं। जिले में 1401 मतदान केंद्रों पर 2825 बूथ होंगे। हर विधान सभा में एक माडल और एक महिला बूथ भी बनाए जाएंगे। माडल बूथों पर वोटरों के लिए बैठने और पेयजल की व्यवस्था होगी। प्रत्येक वोटर का स्टाफ की ओर से स्वागत भी किया जाएगा। मतदान केंद्रों को आकर्षक ढंग से सेल्फी प्वाइंट भी बनेगा। महिला बूथों पर पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम द्वितीय व तृतीय संग चतुर्थ श्रेणी कर्मी सभी महिलाएं होंगी। सुरक्षा को महिला जवान तैनात होंगी। महिला बूथ पर महिलाएं ही वोट डाल सकेंगी। चुनाव आयोग की व्यवस्था से मतदान का प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। जिले में पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत 52 से 54 फीसद तक ही रहा है।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता थामेंगे भाजपा का झंडा, कहा- 'राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर जा रहा हूं भाजपा में'

वाराणसी, । यूपी चुनाव में कांग्रेस की ओर से ताकत झोंकने के बाद भी पार्टी पदाधिकारियों का दूसरे दलों में जाने का क्रम बरकरार है। इस बार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्?ता मधुकर पांडेय ने कांग्रेस को अलविदा कहते हुए भाजपा से जुड़ने की बात कह कर वाराणसी और पूर्वांचल ही नहीं बल्कि प्रदेश का वह अ?हम चेहरा भी हुआ करते थे। अब वह कांग्रेस के हाथ को छोड़कर भाजपा का झंडा, भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय में लक्ष्मीकांत वाजपेयी की मौजूदगी में थामने जा रहे हैं। वर्ष 1990 में छात्र जीवन से राजनीति की शुरुआत करने वाले मधुकर पांडेय वर्ष 1992 में बीएचयू नगर निकाय छात्रसंघ के अध्यक्ष बने थे। उसके बाद राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिलाध्यक्ष 1993 में बने। वर्ष 1995 में राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश महासचिव से लेकर उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष, आल इंडिया युवक के पीआरओ और बिहार के चुनाव प्रभारी कांग्रेस की ओर से रह चुके हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र, झारखंड के प्रभारी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव तीन बार रहे हैं। 2014 में एमएलसी का चुनाव तथा 2017 में नगर पालिका परिषद रामनगर का चुनाव कांग्रेस पार्टी से लड़े लेकिन चुनाव हार गये शैलेंद्र किशोर पाण्डेय उर्फ मधुकर पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रवाद से प्रेरित होकर वह भाजपा में जा रहे हैंशनिवार को जागरण से बातचीत करते हुए अपनी आगे की रणनीति के बारे में भी विचार साझा किया है।

भर में कांग्रेस को चौंका दिया है। इस बाबत शैलेंद्र किशोर पांडेय उर्फ मधुकर पांडेय ने कांग्रेस से दूरी बनाने की वजह राष्?ट्रवाद को बता कर भाजपा से जुड़ने की जानकारी साझा की है। इस बाबत उन्?होंने बताया कि भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय में लक्ष्?मीकांत वाजपेयी की मौजूदगी में वह भाजपा से जुड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मधुकर पाण्डेय लंबे समय से कांग्रेस के साथ जुड़े रहे हैं। पूर्वांचल और वाराणसी में कांग्रेस

विधान सभावार माडल व महिला बूथ

बेल्थरारोड : बूथ संख्या 48 कंपोजिट विद्यालय सीयर पू. को महिला बूथ बनाया जाएगा। गांधी मेमोरियल एएम इंटर कालेज बेल्थरारोड पर बूथ संख्या 56, 57, 58, 59 को माडल बूथ बनाया जाएगा। रसड़ा : बूथ संख्या 159 अमर शहीद भगत सिंह इंटर कालेज रसड़ा को महिला बूथ और बूथ संख्या 172 कंपोजिट विद्यालय रसड़ा को माडल बूथ बनाया जाएगा। सिकंदरपुर : बूथ संख्या 100 कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय कमरौता पूर्वी महिला बूथ बनेगा। बूथ संख्या 142 कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय सिकंदरपुर डाक बंगला के पास को माडल बूथ बनाया जाएगा। फेफना : बूथ संख्या 128 प्राथमिक पाठशाला बनरहीं महिला बूथ और बूथ संख्या 131 प्राथमिक पाठशाला मिड्डा माडल बूथ बनेगा। नगर बलिया : बूथ संख्या 61 टाउन इंटर कालेज महिला बूथ और बूथ संख्या 34 ईएमपीएस देवकली माडल बूथ बनेगा। बांसडीह : बूथ संख्या 196 प्राथमिक विद्यालय देवडीह महिला बूथ और बूथ संख्या 45 कंपोजिट विद्यालय मुड़ीयारी माडल बूथ होगा। बैरिया : बूथ संख्या 150 प्राथमिक विद्यालय जगदेवा महिला बूथ और बूथ संख्या 149 कंपोजिट विद्यालय बैरिया माडल बूथ होगा। वर्जन... हर विधान सभा क्षेत्र में चिह्नित मतदान केंद्र के एक बूथ को बतौर महिला बूथ के रूप में तैयार किया जाएगा। पोलिंग पार्टी में पीठासीन अधिकारी व अन्य कार्मिक महिलाएं ही रहेंगी। माडल बूथ को भी बेहतर तरीके से सजाया जाएगा। -राकेश कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी

आनलाइन कक्षा संचालित करते रहने का निर्देश

गाजीपुर : बेसिक शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित सभी कार्यक्रमों व योजनाओं के संबंध में शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों व जिला समन्वयकों

संग बैठक की। इसमें विधानसभा चुनाव के संबंध में सभी बूथों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को लेकर समीक्षा की गई। बीएसए ने निर्देश दिया कि कोई भी बूथ सुविधा विहीन नहीं रहना चाहिए। इसके लिए उपजिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विकास अधिकारी एवं अन्य सक्षम अधिकारी से व्यक्तिगत संपर्क कर इस कार्य को शत प्रतिशत पूर्ण कराने को कहा गया। आपरेशन कायाकल्प अंतर्गत सभी परिषदीय विद्यालयों को 19 बिंदुओं की समीक्षा में निर्देश दिया गया कि फरवरी माह में सभी परिषदीय विद्यालयों को शत-प्रतिशत संतृप्त करा लिया जाए। कंपोजिट ग्रांट अंतर्गत राज्य परियोजना कार्यालय से प्रेषित धनराशि व निर्देश सभी को उपलब्ध करा दिया गया है। निर्देश दिया कि यू-डायस 2021-22 अंतर्गत जनपद में कक्षा 1-12 तक संचालित परिषदीय व सहायता प्राप्त सभी बोर्ड के विद्यालयों का यू-डायस कोड अवश्य होना चाहिए। बंद चल रहे स्कूलों को लेकर कहा गया कि आनलाइन व मोहल्ला क्लास के माध्यम से शिक्षण कार्य करने का निर्देश दिया गया। स्पो?र्ट्स किट की धनराशि विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में प्रेषित की जा चुकी है। स्पो?र्ट्स किट क्रय एवं आपूर्ति के संबंध में जिलाधिकारी के स्तर से गठित समिति से भी जांच की जाएगी। फिर डीबीटी की समीक्षा की गई। खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि तत्काल अवशेष छात्रों का आधार सत्यापन एवं संदिग्ध डेटा का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

मतदान केंद्रों पर लगाई जनचौपाल

बांसडीहरोड (बलिया) : ग्राम पंचायतों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए शनिवार को प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र मिश्रा ने प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर भीखपुर व परसपुर के प्रांगण में बैठक की। ग्राम प्रधान व ग्रामीणों को शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रेरित किया। कहा कि बिना प्रलोभन व धमकी के खिलाफ बिना डरे पुलिस से शिकायत करें। जिसपर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

फाइलेरिया के लिये किया जागरूक

बलिया : विश्व एनटीडी (नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीजेज) दिवस यानि की पूर्व संध्या पर शनिवार को नाट्य संस्था मंचदूतम वाराणसी के लोक कलाकारों ने फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की अलख जगाई। सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से इन कलाकारों ने बांसडीह ब्लॉक के ग्राम राजपुर, वार्ड नंबर तीन और पंदह ब्लाक के ग्राम मासूमपुर और बहेरी में नुक्कड़ नाटक के जरिए समुदाय को फाइलेरिया के लक्षण बताने के साथ ही उससे बचाव के तरीकों और मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम के दौरान दवा सेवन का संदेश अपने अनोखे अंदाज में दिया। दवा सेवन का लाभ लोगों को बताया। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव द्वारा मलेरिया, डेंगू, दिमागी बुखार एवं कालाजार के कारण, लक्षण, बचाव के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक मंचदूतम वाराणसी के कलाकारों में अजय रोशन, ज्योति, गोपाल चंद, किशन कुमार, करन, उत्कर्ष सिंह एवं राहुल शामिल थे।

बसों की कमी पूरा करने को ट्रकों का भी होगा अधिग्रहण

आजमगढ़: विधानसभा चुनाव में बसों से मतदान कर्मियों को ले जाने के निर्वाचन आयोग के फरमान ने प्रशासन की परेशानी को बढ़ा दिया है। जिले की 10 विधानसभा

क्षेत्रों के 2345 मतदान केंद्र पर चुनाव कराने के लिए 28,219 कर्मचारियों को पहुंचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है। इसके लिए 1069 वाहनों की आवश्यकता पड़ेगी। चुनाव आयोग ने कर्मचारियों को बूथों तक पहुंचाने के लिए बस का उपयोग करने का निर्देश दिया है। जिले में 604 बस ही उपलब्ध हो पा रही हैं। इस कमी को कमी पूरी करने के लिए अब ट्रकों का भी अधिग्रहण किया जाएगा। परिवहन विभाग की तरफ से इस कमी का पूरा करने के लिए 450 ट्रकों को अधिग्रहण किया जा रहा है। इन ट्रकों से नजदीक के विधानसभा क्षेत्र के बूथों पर मतदान कर्मियों को भेजना की योजना बनाई जा रही है। जबकि दूर के मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों को बसों से भेजा जाएगा। जिससे मतदान कर्मियों को ज्यादा दिक्कत न उठाना पड़े। इसके लिए एआरटीओ विभाग ट्रकों की सूची तैयार करने में जुट गया है। साथ ही अधिग्रहण की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इधर, बसों की फिटनेस भी विभाग के लिए चुनौती बनती जा रही है। इसमें तीन सौ बसों का ही फिटनेस पूरा है। छह सौ बसों की फिटनेस कराना भी चुनौती है। विभाग की तरफ से इन वाहन स्वामियों को नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। ---बसों की कमी के पूरा करने के लिए ट्रकों का अधिग्रहण किया जा रहा है। जिले में 503 बस ही उपलब्ध हो पा रही है। ऐसे में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ट्रकों के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वर्क फ्राम होम ने बढ़ा दी गैजेट्स की डिमांड, बनारस में रिकार्ड स्तर तक पहुंची खरीदारी

वाराणसी, । कोरोना महामारी से दुनिया का कोई भी देश अछूता नहीं रहा। इसकी वजह से कई देशों को लाकडाउन लगाना पड़ा, जिससे लोग घरों में कैद हो गए। उन्हें आफिस का काम घर से ही करना पड़ा। अब वर्क फ्रॉम होम की परंपरा शुरू हो गई। कोरोना की वजह से काफी दिनों तक स्कूल-कालेज और कोचिंग इंस्टीट्यूट भी

बंद रहे। कई राज्यों में तो अभी तक शिक्षण संस्थान नहीं खोले गए हैं। ऐसे में घर पर पढ़ाई का भी दिनोंदिन चलन बढ़ गया है। ऐसे में बड़ी स्क्रीन वाले डिवाइसेज की मांग इस अवधि में अचानक बढ़ गई। इसी वजह से लैपटॉप के साथ स्मार्ट फोन काफी बिक्री हुई। लैपटॉप की बिक्री ने तो कोरोना काल में रिकार्ड ही तोड़ दिया घर पर काम और पढ़ाई की वजह से बनारस में भी पर्सनल कंप्यूटर की बिक्री अचानक से बढ़ गई। एक अनुमान के मुताबिक बीते वर्ष जुलाई माह से दिसम्बर के दौरान पर्सनल कंप्यूटर की बिक्री 50 हजार से एक लाख रही। व्यापारियों की माने तो कमशिय्ल सेगमेंट में बहुत ही कम सरकारी और शिक्षण उत्पाद थे, जबकि उपभोक्ता सेगमेंट में रिकॉर्ड कंप्यूटर बेचे गए। दरअसल कोरोना की वजह से देश में 2020 मार्च महीने में ही लॉकडाउन लगा दिया गया था। ऐसे में अप्रैल-जून के दौरान ही डेस्कटॉप, नोटबुक्स और वर्क स्टेशन की मांग में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई थी। इसकी वजह यह थी कि लॉकडाउन लगते ही कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम हो गए थे। ऐसे में बड़ी मात्रा में कंप्यूटर्स की खरीदारी हुई। वहीं दूसरी तिमाही यानि जुलाई–सितंबर में भी यह सिलसिला जारी रहा। सालाना आधार पर बिक्री 40 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ी। विक्रेता आशुतोष अग्रवाल के अनुसार स्कूलों और कालेजों ने आनलाइन कक्षाएं जारी रखीं। इसकी वजह से नोटबुक्स की मांग में जबरदस्त तेजी रही। इसकी मांग बड़े शहरों में ज्यादा रही। दूसरी ओर नोटबुक पीसी की मांग आपूर्ति से ज्यादा रही है। ब्रांडेड स्मार्ट फोन की बिक्री भी सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़ी है। वहीं बड़ी स्क्रीन के डिवाइसेज की मांग के चलते टैबलेट की बिक्री में जबरदस्त इजाफा रहा।

62 हजार उपभोक्ताओं को मिली 14 करोड़ की छूट

आजमगढ़: बिजली विभाग के तमाम प्रयासों के बाद भी ओटीएस (एक मुश्त समाधान योजना) में बकराएदार रुचि नहीं ले रहे हैं। जिससे विभाग की चिंता बढ़ गई

है। 31 जनवरी तक ही इस योजना का लाभ उपभोक्ता उठ सकते हैं। विभागीय अधिकारियों के लाख प्रयास के बाद भी वसूली का लक्ष्य पूरा होता नहीं दिखायी दे रहा है। हालांकि अब तक 62 हजार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिल चुका है। विद्युत विभाग ने बकाएदारों को सहूलियत देने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की है। इसमें अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को सरचार्ज आदि छूट का लाभ लेते हुए बकाया धनराशि जमा करनी थी। इसके लिए विभाग ने प्रचार प्रसार से लेकर जगह-जगह कैंप भी लगाया। इसके बाद भी विभाग को विशेष लाभ नहीं मिल सका। अब इस योजना का लाभ लेने के लिए मात्र दो दिनों का समय बचा हुआ है। नौ लाख उपभोक्ताओं से विभाग को लगभग 700 करोड़ रुपये की वसूली करनी है। जिसके सापेक्ष अब तक 62 हजार उपभोक्ताओं से मात्र 42 करोड़ की वसूली हुई है। 31 जनवरी तक छूट का लाभ उपभोक्ता ले सकते हैं। इस अवधि में प्रयास किया जा रहा है कि बकाएदार अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर बकाया जमा करें ताकि राजस्व में बढ़ोतरी हो सके। अभी तक 14 फीसद ही उपभोक्ता इसका लाभ लिए हैं। - अरविद सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम।

अतरौलिया में रूट मार्च निकाल दिया सुरक्षा का संदेश

अतरौलिया (आजमगढ़): विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए पुलिस महकमा की सक्रियता बढ़ गई है। शनिवार को थाना प्रभारी अतरौलिया रमेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस व बीएसएफ के जवानों ने पैदल व फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का संदेश दिया। अतरौलिया थाने से निकल कर अतरौलिया दुर्गा चौक, बरन चौक गोविद तिराहा, गोला क्षेत्र ,मुसाफिर चौक, बब्बर चौक, केसरी चौक से होते हुए लोहरा ग्राम, छितौनी ग्राम ,बढ़या बाजार,सेनपुर, रतुवापर ,भीखपुर, मदियापार होते हुए भेदौरा तक रूट मार्च किया। इस दौरान लोगों से शांति की अपील की जा रही थी। थाना प्रभारी ने बताया शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। ऐसे

में लोगों को संदेश दिया जा रहा है कि भयमुक्त होकर लोकसभा के चुनाव में मतदान करें। यदि कोई सामाजिक तत्व इसमें विघन डालने की कोशिश करता है तो इसके लिए हमें बताएं उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संत रविदास मंदिर में पांच करोड़ की लागत से बना है लंगर हाल, जानिए क्या मिलेंगी श्रद्धालुओं को सुविधाएं

वाराणसी, संत रविदास मंदिर के विस्तारीकरण और सुंदरीकरण के लिए लगभग पांच करोड़ की लागत से लंगर हाल बनाया गया है। यहां पर लंगर के लिए काफी स?पेस भी है तो दूसरी ओर कई लोगों के साथ में बैठने की सुविधा का भी ख?याल रखा गया है। माना जा रहा है कि बजट लगातार जारी होता रहा तो सुरक्षा सहित तमाम पहलुओं को केंद्र में रखकर लंगर हाल को जल?द पूरी तरह खोला जा सकता है। हालांकि, करोड़ों की लागत से बने लंगर हाल की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा गया। मंदिर प्रबंधन के ट्रस्टी के एल सरोये ने बताया कि लंगर हाल के पास भी मिली है। ऐसी स्थिति में यहां चारो तरफ से खुले लंगर हाल में सुरक्षित नही है। रविदास जयंती की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंचे एडीएम सिटी से मंदिर प्रबंधन के लोगों ने इस बात की चर्चा भी की। एडीएम सिटी ने सुरक्षा के लिहाज से चहारदीवारी का प्रपोजल बनाकर भेजने को कहा है। हाइवे और मंदिर से जुड़ने का रास्ता भी अधूरा : नवनिर्मित लंगर हाल पहुंचने के लिए नेशनल हाइवे के पास डाफी टोलप्लाज़ा से भवन तक सड़क 40 फीट बननी है जिसपर अभी तक मात्र मिट्टी डालकर छोड़ी गई है जो जगह जगह बरसात के बाद बह गई है।किनारे

चहारदीवारी का प्रपोजल भेजा गया था लेकिन पास नहीं हुआ है। सुरक्षा के लिहाज से यहां ठीक नहीं है इसके लिए बांस से बैरिकेडिंग कराई गई है जिससे आवारा पशुओं के साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों को प्रवेश न मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी आधारशिला 2019 में रविदास जयंती के अवसर पर रखी थी। यहां खास मेहमानों के साथ मंदिर के प्रमुख संतो के साथ धर्म प्रमुख संत निरंजन दास भी रह सकते हैं। संत निरंजन दास की सुरक्षा के लिए जेड श्रेणी की सुरक्षा सीवर के लिए डाली गई पाइप लाइन तोड़कर सड़क के किनारे रखी गई है। इस मार्ग को लंगर हाल तक जाने के लिए एनएचआइ की तरफ से आपत्ति भी की गई है जिसकी जानकारी संत्संग हाल देखने आए मुख्यमंत्री के माध्यम से प्रशासन ने भेजी थी। इसके अलावा सत्संग हाल से मंदिर के मुख्य मार्ग को जोड़ने के लिए भी कुछ मकान हैं जिसका अभीतक अधिग्रहण नही हुआ। ट्रामा सेंटर से मंदिर तक की सड़क का नवीनीकरण भी अधूरा है।

वाराणसी में राजा भैया ने गंगा तट पर प्रवासी परिंदा को डाला दाना, तस्वीर शेयर कर लिखा - सुबह-ए-बनारस

वाराणसी, । राजा भैया ने शनिवार की सुबह वाराणसी में गंगा तट पर सुबहे बनारस का खांटी बनारसी के अंदाज में लुत्?फ लिया और घाट पर प्रवासी परिंदों को दाना खिलाते तस्?वीर भी इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। वहीं तस्?वीर साझा करने के साथ ही उन्?होंने तस्?वीर के कैप्?शन में सुबह-ए-बनारस लिखकर बनारस की शानदार सुबह की झलक भी पेश की है। रघुराज प्रताप (राजा भैया) के इस सुबह ए बनारस की तस्?वीर को लोगों ने भी इंटरनेट मीडिया में साझा कर लोगों से बनारस की खूबसूरती को नुमाया किया है। दरअसल राजा भैया इन दिनों वाराणसी में हैं और लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं। वह वाराणसी में रहकर पूर्वांचल में चुनावी रणनीति पर भी मंथन करने के साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। वहीं इससे पूर्व शुक्रवार को दिन में उन्?होंने संकट मोचन मंदिर में

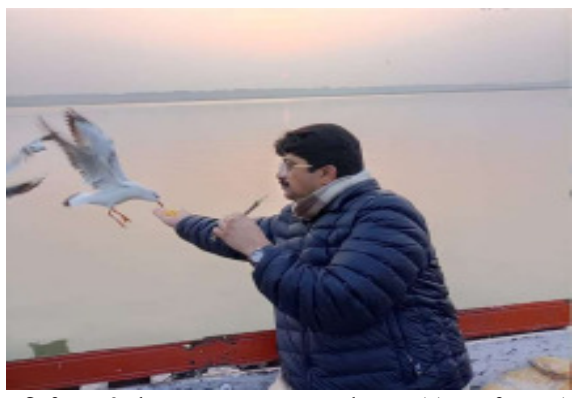

हाजिरी लगाई और हनुमद दरबार में शीश झुकाकार आशीर्वाद मांगा। राजा भैया ने संकटमोचर मंदिर परिसर में भ्रमण भी किया। प्रतापगढ़ में कुंडा के निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप उर्फ राजा भैया शुक्रवार को संकट मोचन दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे थे। वहीं इस दौरान उन्होंने बातचीत करते हुए काशी में कुछ वर्षों में हुए बदलाव की तारीफ भी की। हालांकि, इस दौरान उन्?होंने सियासी सवालों से बरकरार दूरी बनाए रखी। रघुराज प्रताप सिंह संकट मोचन मंदिर में दर्शन पूजन के लिए पहुंचे तो उन्?होंने वाराणसी आगमन को लेकर स्थिति स?पष्?ट की और बताया कि वह वाराणसी में दर्शन पूजन के लिए आए हुए हैं। इससे पूर्व उन्होंने पुरानी काशी और वर्तमान काशी के सवाल पर बदलाव को लेकर भी अपना नजरिया जाहिर किया। वहीं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के अतिरिक्त यहां पर सड़कों के चौड़ीकरण और फ्लाईओवर का निर्माण भी विकास कार्यों के लिए सराहनीय प्रयास बताया। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी की ओर से करीब दो दर्जन प्रत्याशियों का को लेकर उन्होंने इनकार किया। वहीं उन्होंने वाराणसी में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की और पूर्वांचल में चुनाव की रणनीति को लेकर से विचार विमर्श किया।

आजमगढ़ में पूर्व मंत्री वसीम अहमद की पत्नी शमा वसीम ने सपा से की बगावत, खिलाफ उतरने का एलान

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी में अब पूर्वांचल में जिस गोपालपुर से अखिलेश यादव के लड़ने की चर्चाओं ने जोर पकड़ा था वहां पर समाजवादी पार्टी में अब विरोध के स?वर मुखर हो गए हैं। विरोध के स्वर उठे तो सबसे पहले सपा प्रत्याशी नफीस के खिलाफ गोपालपुर से चुनाव लड़ने का एलान पूर्व मंत्री वसीम अहमद की पत?नी शमा वसीम ने कर दिया है। इस बाबत उन?होंने कहा कि दो-तीन दिन में पता चल जाएगा कि वह किसी दल से होंगी या निर्दल प्रत्याशी के तौर पर वह चुनावी मैदान में होंगी। विधानसभा क्षेत्र गोपालपुर से सपा का टिकट न मिलने से नाराज पूर्व मंत्री वसीम अहमद की पतने शमा वसीम ने बगावत का बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। हालांकि यह भी कहा कि दो-तीन में यह बात साफ हो जाएगी कि वह किसी दल से चुनाव या निर्दल

प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेगी। शनिवार को अपने आवास पर समर्थकों से बातचीत के बाद तीन बाद विधायक और अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री रहे वसीम अहमद की पतने शमा वसीम ने कहा कि वह पूरी तरह आश्वस्त थीं कि समाजवादी पार्टी उनको टिकट देगी अंतर्राष्ट्रीय कुष्ठ रोकथाम दिवस : वाराणसी में दो अंकों में सिमट चुकी है कुष्ठ रोगियों की संख्या, मात्र 26 नए कुष?ठ रोगा वाराणसी डप्रमोद यादव.। जिले में कुष्ठ रोगियों की संख्या दो अंकों में सिमट चुकी है। कुष्ठ रोगियों को घर-घर खोजने के लिए पूरे देश भर चले अभियान में भी महज 26 नये कुष्ठ रोगी मिले हैं। नये और पुराने कुष्ठ रोगियों की संख्या भी अब सिर्फ 79 रह गयी है। इसे एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए समय पर इलाज कराना जरूरी है। कुष्ठ रोग के उन्मूलन एवं रोगियों से भेदभाव को समाप्त करने के लिए हर साल कुष्ठ रोकथाम दिवस राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (30 जनवरी) पर मनाया जाता है। जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ. राहुल सिंह ने बताया कि वर्ष 2016-17 में जिले में कुष्ठ रोगियों की संख्या 303 थी। वर्ष 2017-18 में यह घटकर 226 हो गयी। वर्ष 2018-19 में 133 और वर्ष 2019-20 में 128 कुष्ठ रहे। वर्ष 2020-21 में यह संख्या सिमट कर महज 79 हो गयी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में अप्रैल से दिसंबर तक चले इस अभियान में 26 नये कुष्ठ रोगी मिले।ं में पांच, हरहुआ में एक बड़ागांव में तीन, पिण्डरा में दो और शहरी क्षेत्र में एक नया कुष्ठ रोगी मिला। चोलापुर ब्लाक में एक भी नया कुष्ठ रोगी नहीं पाया गया। उनका कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुझे पूरी तरह से आश्वस्त किया था कि वह 2022 में गोपालपुर से चुनाव लड़ कर स्वर्गीय वसीम अहमद के सपनों को साकार करें।

25 परीक्षकों के पारिश्रमिक में कटौती के आदेश

सोनभद्रः बीटीसी प्रशिक्षण 2015 चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा वर्ष 2018 की कापियों के मूल्यांकन में त्रुटि का मामला सामने आया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कानपुर देहात व कन्नौज की बीटीसी परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों ने किया था। इनसे से 25 परीक्षकों ने कापियों के मूल्यांकन में त्रुटि कर दी। परीक्षा नियामक प्राधिकारी समिति की बैठक में मामला सामने आने पर सभी शिक्षकों से मूल्यांकन राशि में कटौती कर उसकी वसूली का आदेश दिया गया है। डायट के प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक विजय शंकर मिश्र ने बीएसए को पत्र लिखकर इन दोषी परीक्षकों के पारिश्रमिक में से कटौती का निर्देश दिया है। डायट प्राचार्य ने बीएसए को पत्र लिखा है। इसमें भी कौशल कुमार, अंशुमान देव पांडेय, कृष्ण कुमार शुक्ला, विभा द्विवेदी, ज्योति सिंह, दिव्यकांत, आनंद देव पांडेय, षडानन पाठक व प्रज्ञा श्रीवास्तव को तीन वर्ष तक के लिए डिबार कर दिया गया है। जिले के राब?र्ट्सगंज, घोरावल, नगवां, चतरा व बभनी ब्लाक के 25 शिक्षकों से मूल्यांकन राशि कटौती कराकर उसे निर्धारित किये गए खाते में जमा कराने के लिए संबंधित क्षेत्रों के खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है। यदि परीक्षक कटौती की राशि नहीं जमा करते है तो विभागीय स्तर पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

चार पड़ोसी राज्यों की सीमा पर लगेंगे 26 बैरियर, होगी जांच

सोनभद्रः उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में नक्सलियों का हस्तक्षेप न हो, इसको लेकर जिले की पुलिस सतर्क है। नक्सल प्रभावित चार राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ से घिरे सोनभद्र में चुनावी महासमर के दौरान नक्सल गतिविधियां न हों इस पर पुलिस की विशेष नजर होगी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस महकमें ने पड़ोसी राज्यों की सीमा पर 26 बैरियर लगाने का निर्णय लिया है। चुनाव के 48 घंटे पूर्व बैरियर लगाकर पड़ोसी राज्यों की सीमा सील कर दी जाएगी। सोनभद्र के छत्तीसगढ़ सीमा पर आसनडीह, बिहार की सीमा पर खलियारी, चरगड़ा, झारखंड सीमा पर यूपी का धरतीडोलवा, बुटबेढवा, मुड़ीसेमर, मेदनीखाड़, सुखड़ा, छतरपुर, हरपुरा व बैरखड़ गांव आते हैं। इसमे बरखोरहा अति संवेदनशील है और छत्तीसगढ़ व झारखंड की सीमा से सटा हुआ है। कोन थाना क्षेत्र के गांव झारखंड, घोरावल थाना क्षेत्र के गांव मध्य प्रदेश की सीमा से सटे हुए हैं। कभी यह सभी क्षेत्र नक्सल प्रभावित रहे हैं। सीमावर्ती राज्यों के अलावा सोनभद्र की सीमा से सटे यूपी के पड़ोसी जिलों की सीमा पर भी बैरियर लगाए जाएंगे। पड़ोसी जिला चंदौली व मीरजापुर की सीमा पर 9 बैरियर लगाए जाऐंगे। जिले में मतदान के 48 घंटे पहले यह बैरियर लगाए जाएंगे। इस दौरान संदिग्धों की तलाशी के साथ ही सीमावर्ती राज्यों से होकर सोनभद्र आने व जाने वाले वाहनों व संदिग्धों की जांच की जाएगी। इसके लिए पुलिस के अधिकारियों के साथ ही फोर्स भी लगाई जाएगी। पुलिस महकमें के चुनाव सेल प्रभारी निरीक्षक संजय राय ने बताया कि सीमावर्ती राज्यों की सीमा पर कहां-कहां बैरियर लगेंगे, यह गोपनीय में आता है, इसलिए उसके स्थान का नाम नहीं बताया जा सकता है।

मंदिर के समीप पैंटून ब्रिज का लोकार्पण

अनपरा (सोनभद्र) : एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना द्वारा सीएसआर के तहत एनटीपीसी-सिगरौली डिस्चार्ज कैनाल पर आवागमन के लिए 41.78 लाख रुपये की लागत से निर्मित पैंटून ब्रिज का लोकार्पण सांसद सिगरौली रीती पाठक द्वारा किया गया। विध्याचल ऐश डाइक से आम लोगों के आवागमन के लिए एनटीपीसी-सिगरौली डिसचार्ज कैनाल पर निर्मित पुल सेमरा बाबा मंदिर के समीप है,जो एक प्रतिष्ठित देव स्थान है। सांसद ने कहा कि विभिनन्‍ सामाजिक कार्यों को करने के लिए परियोजना प्रबंधन सदैव तत्पर रहता है। विधायक सिगरौली रामलल्लू वैश्य ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण से सेमरा बाबा मंदिर पर श्रद्धालुओं को आवागमन में काफी सुविधा होगी। जिला कलेक्टर सिगरौली रंजन मीना ने कहा कि मंदिर पर उमड़ने वाली भीड़ एवं आवागमन को देखते हुए इस पुल की आवश्यकता थी। जिसे परियोजना द्वारा पोंटून ब्रिज का निर्माण कर पूरा किया गया। कलेक्टर ने कहा कि जनता से जुडी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। परियोजना प्रमुख (विध्याचल) सुभाष चंद्र नायक ने कहा कि एनटीपीसी सदैव सीएसआर के तहत आसपास के क्षेत्र का उत्थान के लिए विभिनन्‍ कार्य करती रहती है, जो आगे भी जारी रहेगा। लोकार्पण समारोह में महाप्रबंधक सत्य फनी कुमार, एके सहगल, जेके सेन गुप्ता, पीके बिस्वास, एस भट्टाचार्या समेत ग्रामवासी उपस्थित रहे।

20 ग्राम हेरोइन बरामद, एक आरोपित का चालान

(सोनभद्र)ः स्थानीय थाना पुलिस ने गुरुवार की रात एक व्यक्ति के पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद किया है। थाने के उप निरीक्षक मनोज कुमार त्रिपाठी ने सिपाहियों के साथ सहदेवा बैडाड़ तिराहा से जोगनी गांव जाने वाले मार्ग पर नीरज कुमार सिंह पुत्र अशोक कुमार सिंह निवासी ग्राम सरसो, थाना मड़िहान जिला मीरजापुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान हेरोइन बरामद किया। शुक्रवार को आरोपित व्यक्ति का पुलिस ने चालान कर दिया।

बेटे की पिटाई से मना किया तो मां ने फूंक दी अपनी झोपड़ी

(सोनभद्र)ः स्थानीय ग्राम पंचायत के झपरी टोला में बल्लू की पतनी ने अपने बेटे की पिटाई शुरू कर दी। जब पड़ोसियों ने महिला को ऐसा करने से मना किया तो महिला ने अपने झोपड़ी में आग लगा दी। साथ ही पुलिस को मामले की सूचना दे दी। मौके पर पहुंची सुकृत चौकी पुलिस ने विवाद से जुड़े चार लोगों को चौकी पर बैठा लिया। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने इस मामले में बल्लू चौहान, भोला, छोटू, हरवंश का शांतिभंग में चालान कर दिया।

कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता पर करें निस्तारण

मीरजापुर : प्रभारी अधिकारी कंट्रोल रूम व डिप्टी कलेक्टर अभिनीत कुमार सिंह ने कहा है कि निर्वाचन कंट्रोल रूम में विभिनन्‍ पोर्टल व एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को संबंधित के पास भेजा रहा है। निर्वाचन कार्य के महत्व को देखते हुए शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कर आख्या भेजें। 28 जनवरी को 396 विधानसभा क्षेत्र मीरजापुर एवं 397 विधानसभा क्षेत्र मझवां में कंट्रोल रूम के दूरभाष पर एक-एक सहित कुल दो शिकायत प्राप्त हुई जिसे निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

मनरेगा व आवास की समीक्षा, कार्य पूर्णता व श्रमिक नियोजन पर बल

चुनार (मीरजापुर) : ब्लाक कार्यालय पर बीडीओ पवन कुमार सिंह ने वीडियो कांफ्रेसिग के जरिए मनरेगा व आवास की समीक्षा बैठक की। ग्राम सचिवों व तकीनीकि सहायकों से कार्य पूर्णता व श्रमिक नियोजन पर विशेष ध्यान देने को कहा। बीडीओ ने मनरेगा कार्यों को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। कहा कि शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवास योजना की समीक्षा के दौरान बीडीओ ने कहा कि अधूरे आवासों को 15 फरवरी के पहले पूरा कराना सुनिश्चित करें। मातहतों से कहा कि मतदेय स्थलों का भ्रमण करें और जहां-जहां रास्ते की समस्या है या फिर जलजमाव आदि की परेशानी है उसे दुरुस्त कराने के लिए विस्तृत आख्या दें, ताकि समय से काम पूरा कराया जा सके। नरायनपुर व जमालपुर ब्लाक के ग्राम सचिव व तकनीकी सहायक वीडियो कांफ्रेसिग में शामिल थे।

भदोही, अमोई पुरवा, कुहकी तथा जयकर की टीम ने जीता मैच

पटेहरा (मीरजापुर) : पटेहरा कला स्टेडियम में मां सरस्वती चैलेंज कप के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट मैच में शुक्रवार को भदोही और रामपुर के बीच मैच खेला गया। भदोही की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निणन्य लिया। टीम ने आठ ओवर के मैच में 146 रन बनाया। जवाब में उतरी रामपुर की टीम ने केवल 100 रन बनाया। भदोही की टीम 46 रन से मैच अपने नाम कर लिया। मैन ऑफ द मैच भदोही के अजीत को मिला। कमेंटेटर आकाश यादव, स्कोरर सुनील रहे। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन यादव, शिवचंद यादव, बुद्धू पटेल आदि रहे। इसी तरह पथरौर में जय बजरंग क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में उद्घाटन मैच कुहकी बनाम टौआ व अमोई पुरवा बनाम खंडवर मझारी के बीच 8-8 ओवर का खेला गया। टास जीतकर कुहकी की टीम ने फील्डिग करते हुए टौआ की टीम को महज तीस रन पर आलआउट कर जवाब में तीन ओवर में ही जीत पक्की कर ली। दूसरा मैच अमोई पुरवा बनाम खंडवर मझारी के बीच खेला गया। खंडवर मझारी आठ ओवर में मात्र 44 रन का लक्ष्य दिया, जिसे अमोई पुरवा की टीम ने 7 ओवर में ही रन पूरी कर मैच जीत लिया। प्रमुख प्रतिनिधि जगप्रकाश कोल ने फीताकर खेल का शुभारंभ किया। लालगंज : महावीर स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में धसड़ा गांव में बामी की टीम ने निर्धारित दस ओवर में 75 रन बनाए। जवाब में उतरी जयकर की टीम ने नौवें ओवर में ही अंतिम बाल पर छक्का मारकर निर्धारित 76 रन बनाकर मैच को जीत लिया। चितरंजन को मैन आफ द मैच व मैन आफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। अंपायर की भूमिका सतीश तिवारी और गुड्डू विश्वकर्मा ने निभाया। स्कोरर गणेश सरोज रहे। विजेता टीम को क्लब की तरफ से ग्राम प्रधान शांति देवी ने पुरस्कृत किया।

कंतित शरीफ उर्स मेला में नहीं लगेगी दुकान, स्टाल व झूला

विध्याचल (मीरजापुर) : आठ से 11 फरवरी तक चलने वाले कंतित शरीफ उर्स मेला में कोरोना के चलते इस बार दुकान, स्टाल व झूला नहीं लगेगा। जायरीनों को केवल चादर व फूल-माला चढ़ाने की अनुमति होगी। कोरोना की पाबंदियों की वजह से बच्चे इस बार मेले का लुत्फ नहीं उठा सकेंगे। कंतित इंतजामिया कमेटी शाह इस्माइल चिश्ती रहमतुल्ला अलैह (कंतित शरीफ) के अध्यक्ष शौकत अली ने कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से बचाव के लिए कंतित शरीफ के सलाना उर्स में जायरीनों से शिरकत न करने की गुजारिश की। बताया कि चार दिवसीय कंतित शरीफ उर्स आठ फरवरी से आरंभ होगा। भीड़-भाड़ बढ़ने से स्थिति विपरीत हो सकती है। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए भीड़ से बचाव जरूरी है। थानाध्यक्ष विध्याचल नीरज पाठक ने बताया कि कोरोना के चलते कंतित शरीफ उर्स मेले में इस बार गैर जनपद से आने वाले दुकानदार दुकान नहीं लगा सकेंगे और न ही स्थानीय दुकानदार। यही नहीं, झूला भी इस बार नहीं लग सकेगा। प्रयागराज, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, भदोही, मीरजापुर समेत पूर्वांचल के कई जनपद से दुकानदार दुकान लगाने आते थे। उर्स में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को शारीरिक दूरी का पालन व मास्क का उपयोग अनिवार्य है। कोरोना गाइडलाइन का पालन न करने पर महामारी अधिनियम का दोषी माना जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

अजरहा में अर्द्ध विक्षित युवक की मौत

(सोनभद्र)ः गुरुवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत जरहा गांव में एक अर्ध विक्षित युवक की मौत हो गयी। कुछ दिनों से एक अर्ध विक्षित युवक जरहा गांव में घूम रहा था। गुरुवार को अचानक उसकी तबियत बिगड़ने लगी तो ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्राम प्रधान को भी मौके पर बुलाया गया। प्रधान ने युवक को अस्पताल ले जाना चाहा लेकिन युवक ने जाने से मना कर दिया। पता बता दिया। इसके बाद वहीं पर दम तोड़ दिया। किया गया तो फोन युवक के बड़े भाई श्याम नारायन पांडे निवासी समरडीहा थाना सासाराम जिला रोहतास बिहार ने उठाया।

छात्रों के प्रदर्शन को ले डटी रही फोर्स

सोनभद्रः रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षा परिणाम को लेकर हुए हंगामे के बाद शुक्रवार को विभिनन्‍ छात्र संगठनों को भारत बंद का जिले में कहीं कोई असर नहीं रहा। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर जगह-जगह रेलवे स्टेशनों पर पुलिस डटी रही लेकिन किसी भी छात्र संगठन के पदाधिकारी प्रदर्शन के लिए मुख्यालय समेत किसी क्षेत्र में सड़क पर नहीं आए। राब?ट्र्सगंज रेलवे स्टेशन पर प्रभारी निरीक्षक एसएन मिश्रा, चौकी इंचार्ज हिंदुआरी संजीव कुमार राय फोर्स के साथ डटे रहे और हर तरह की गतिविधियों पर नजर रखते रहे। रेलवे स्टेशन राब?ट्र्सगंज के अधीक्षक राममणि सारस्वत ने बताया कि पुलिस फोर्स से सूचना मिली है कि छात्रों द्वारा रेल रोकने अथवा विरोध प्रदर्शन करने जैसी गतिविधि हो सकती है, जिसको लेकर स्टेशन परिसर में पुलिस फोर्स तैनात रही। हालांकि किसी भी प्रकार से कोई धरना प्रदर्शन रेलवे स्टेशन कैंपस या आसपास में नहीं हुआ। इस बाबत क्षेत्राधिकारी नगर राजकुमार त्रिपाठी ने बताया कि संभावित सूचना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी को लगा दिया गया था। हालांकि कहीं कोई प्रदर्शन की सूचना नहीं मिली। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था दिन भर स्टेशन परिसर में चाक-चौबंद रही। आसपास क्रॉसिग क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

बीजपुर में एक रात तीन दुकानों में लाखों की चोरी

बीजपुर (सोनभद्र)ः बीजपुर बाजार में गुरुवार की रात तीन दुकानों से लाखों रुपये की चोरी हो जाने से व्यवसायियों में दहशत का माहौल बन गया है। दुधहिया देवी मंदिर के पास सीताराम गर्ग की हार्डवेयर दुकान के छत का सीट काट कर अज्ञात चोरों ने करीब एक लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वहीं दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए। सुबह जब सीताराम ने दुकान खोली तो दुकान की छत पर लगी लोहे की सीट कटी देखी तो हैरान रह गए। जब काउंटर के पास पहुंचे तो देखा कि काउंटर का ताला भी टूटा हुआ था। साथ ही सीसीटीवी कैमरे का तार कटा हुआ था। दुकान के पीछे जंगल में कैमरे की डीवीआर मिली तो आनन फानन में मामले की सूचना पुलिस को दी गयी। वहीं डोडहर मोड़ पर स्थित रवि मोबाइल दुकान से अज्ञात चोरों ने दुकान की छत का सीट तोड़ 11 कीमती मोबाइल के अलावा छह हजार नकदी पर भी हाथ साफ कर दिया। वही पड़ोस में अमन जनरल स्टोर में भी चोरों ने दुकान का सीटा तोड़ करीब 35000 नकदी पर हाथ साफ कर दिया। एक ही रात थाने से महज चंद कदम दूरी पर तीन दुकानों से हुई चोरी से पुलिस प्रशासन की सतर्कता पर सवालिया निशान लगा दिया है। व्यवसायियों ने बताया कि मेन बीजपुर बाजार में ऐसी घटना अब तक नही हुई थी। गौरतलब हो की विगत दिनों स्वागत गेट के पास भी मोबाइल की दुकान का शटर तोड़ कर अज्ञात चोरों ने लाखों के मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया था। वहीं पुनर्वास प्रथम में गीता श्रीवास्तव के घर से चोर नकदी सहित मोबाइल उठा ले गए थे, जिसका आज तक पुलिस पता लगाने में असफल रही है। इलाके में तकरीबन रोज कहीं न कहीं वाहनों की बैटरी सहित सोलर प्लेट की चोरी से लोगों की नींद हराम हो गयी है। चोरों ने सबमर्सिबल चुराया सांगोबांध (सोनभद्र)ः बभनी थाना क्षेत्र के सांगोबांध ग्राम पंचायत के महादानी घूटरा में एक गांव एक बाग योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020 -2021 दो लाख तीन हजार का सोलर सबमर्सिबल ग्राम पंचायत निधि से लगाया गया था। गुरुवार की रात चोरों ने सबमर्सिबल का सोलर पैनल चोरी कर लिया। इससे सिचाई तो बाधित ही होगी, राहगीरों को भी पानी की दिक्कत होगी। लोगों ने चोरी की सूचना थाना पुलिस को दे दी है।

13 लाख 50 हजार रुपये का ट्रक कुर्क

(सोनभद्र)ः न्यायालय के आदेश पर हाथीनाला पुलिस ने एक वाहन पर शुक्रवार को कुर्की की कार्यवाही की है। थाना प्रभारी हाथीनाला रविद्र प्रसाद ने बताया कि पूर्व में जांच पर पता चला कि अभियुक्त हनुमान यादव अपने साथियों के साथ मिलकर आपराधिक कार्य कर एक वाहन अर्जित किया था। उसमें दो कुंतल 94 किलो गांजा अवैध परिवहन करते समय पुलिस की टीम ने पकड़ा था। इस संबंध में ओबरा थाने में मुकदमा भी दर्ज है। आरोप पत्र न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि हनुमान यादव अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर आर्थिक/भौतिक अनुचित एवं दुनियावी लाभ के लिये उत्तर प्रदेश समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम की धारा-2ख (17) में वर्णित अपराधों को करने में अभ्यस्थ अपराधी है। वाहन को अभियुक्त हनुमान यादव ने अवैध स्त्रोतों से एकत्र की है। बरामद ट्रक की अनुमानित कीमत 13,50,000 रुपये है। पुलिस ने इस वाहन को कुर्क कर दिया। थानाध्यक्ष रविद्र ने बताया कि अभियुक्त हनुमान यादव निवासी ग्राम निरंजनपुर मरहट, थाना- खुटहन, जनपद जौनपुर के विरुद्ध प्रेषित रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ट्रक को अग्रिम आदेश के अनुसार संपनन्‍होने तक थानाध्यक्ष थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र की अभिरक्षा में रहेगी।

हलिया संग 06 ब्लाक बढ़ाए वैक्सीनेशन की प्रगति : डीएम

मीरजापुर : जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने एनआइसी से ग्राम स्तरीय अधिकारियों संग शुक्रवार को वर्चुअल वार्ता किया। कोविड-19 से बचाव के लिए वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाकर 15 दिन में पूर्ण करने का निर्देश दिया। द्वितीय डोज वैक्सीनेशन में हलिया की सबसे खराब प्रगति है। तदुपरान्त राजगढ़, गुरुसंडी, जमालपुर आदि छह विकास खंड अपने वैक्सीनेशन के प्रगति को बढ़ाकर शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा करें जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के □ष्टिगत भी सभी फ्रंट लाइन वर्कर को निर्वाचन कार्य में काफी कार्य करना हैं। अतएव सभी फ्रंट लाइन वर्कर तीसरी डोज (बूस्टर डोज) शत प्रतिशत लगवा लें। द्वितीय डोज लगने के तीन माह के अंतराल पर बूस्टर डोज लगवा सकते हैं। प्रथम डोज का वैक्सीनेशन शत प्रतिशत पूर्ण करा लिया गया हैं। इसके लिए सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र है एवं द्वितीय डोज वैक्सीनेशन की प्रगति 79 प्रतिशत है। सभी आगनबाड़ी, आशा, एएनएम, पंचायत सहायक, ग्राम विकास अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेते हुए, जिनका द्वितीय डोज लगना रह गया हैं, ऐसे लोगों की सूची प्राप्त कर डोर टू डोर वैक्सीनेशन लगवाएं। वैक्सीनेशन के लिए 31 जनवरी को विशेष अभियान चलाया जाएगा। परन्तु जब तक जनपद के प्रत्येक व्यक्ति को शत प्रतिशत वैक्सीनेशन न हो जाए तब तक प्रत्येक दिन विशेष अभियान मानकर कार्य करें तथा 15 दिन के अंदर द्वितीय डोज एवं 15 से 18 के मध्य आयु वर्ग के छूटे युवाओं को शत प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य पूरा कराएं। द्वितीय डोज में अभी 2,50,000 वैक्सीनेशन लगवाने से वंचित हैं। सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस, डीपीआरओ अरविद कुमार, गौतम प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. नीलेश रहे। निर्वाचन कार्मिकों का प्रथम रैंडमाइजेशन मीरजापुर : जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार एवं प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की देखरेख में शुक्रवार को एनआइसी में निर्वाचन कार्य के लिए कार्मिकों 05 विधानसभाओं को मिलाकर लगभग 13,000 से अधिक कार्मिको की ड्यूटी लगायी जा रही हैं।

मेडिकल कालेज में होगी एमआरआइ, सिटी स्कैन व डिजिटल एक्सरे की सुविधा

मीरजापुर : जनपद के मरीजों को अब एमआरआइ, सिटी स्कैन व डिजिटल एक्सरे कराने के लिए निजी पैथालॉजी में जाना नहीं पड़ेगा।

उन्हें जल्द ही यह सुविधा इसी चिकित्सालय में मिलने लगेगी। इसके लिए चिकित्सालय प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी गई है। विधानसभा चुनाव के बाद ये सारी मशीनें चिकित्सालय में लगा दी जाएंगी। मंडलीय चिकित्सालय को मेडिकल कालेज का दर्जा दे दिया गया है। ऐसे में यहां पर उस तरह की सुविधा नहीं थी जैसा कि मेडिकल कालेज के चिकित्सालय में होना चाहिए। इसको देखते हुए चिकित्सालय प्रशासन की ओर से चिकित्सालय में एमाआरआइ, सिटी स्कैन, डिजिटल एक्सरे मशीन लगाने के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन के पास भेजा गया था। एसआइसी के भेजे गए प्रस्ताव पर मंजूरी भी मिल गई है। इसकी जानकारी मिलने पर चिकित्सालय प्रशासन ने मशीन लगाने के लिए परिसर में भूमि भी चिन्हित कर लिया है। बताया गया कि विधानसभा चुनाव के बाद इन मशीनों को लगाने की कवायद की जाएगी। अभी तक मेडिकल कालेज में आने वाले मरीजों को सिटी स्कैन व एमआरआई कराने के लिए निजी पैथालॉजी में जाना पड़ता था। इसके लिए वहां पर उनको हजारों रुपये खर्च करने पड़ते थे, लेकिन अगले कुछ महीनों बाद उनको यह सुविधा चिकित्सालय में ही फ्री मिलने लगेगी। प्रतिदिन करीब दो हजार मरीज मंडलीय चिकित्सालय में इलाज कराने आते है। इसमें करीब सौ लोगों को अल्ट्रासाउंड व एक्सरे तथा एमाआरआइ कराने के लिए चिकित्सकों द्वारा लिखा जाता है। वर्जन मंडलीय चिकित्सालय में जल्द ही डिजिटल एक्सरे, सिटी स्कैन व एमआरआइ की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके लिए कवायद शुरू कर दी गई है। चुनाव बाद ये सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भयमुक्त मतदान कराने को केंद्रीय फोर्स ने किया रूट मार्च

लालगंज (मीरजापुर) : आगामी विधानसभा निर्वाचन 2022 को शांतिपूर्ण संपनन्‍ करने के लिए शुक्रवार को पुलिस ने लहंगपुर आदि गांवों में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों के साथ रूट मार्च किया। साथ ही बूथों पर पहुंचकर मतदाताओं को में सीआरपीएफ जवानों ने लहंगपुर बाजार में रूट मार्च कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया। शांतिपूर्ण वातावरण में कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करते हुए सकुशल चुनाव संपनन्‍ कराने का संदेश दिया। वही दूसरी

न सिर्फ जागरूक किया बल्कि उनमें सुरक्षा का अहसास भी कराया। चुनाव को लेकर उपद्रव की मंशा रखने वालों के हौसले पस्त करने तथा जन सामान्य में सुरक्षा की भावना उत्पनन्‍ करने के उद्देश्य से केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैयार है। थाना प्रभारी लालगंज विजय कुमार चौरसिया व चौकी प्रभारी लहंगपुर इंदू भूषण मिश्रा के नेतृत्व तरफ पुलिस क्षेत्राधिकारी उमाशंकर सिंह ने ग्रामीण मतदाताओं से मिलकर निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए अपील की। सीओ ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा। साथ ही जो भी व्यक्ति मतदान के दिन तथा उसके पूर्व कानून तोड़ने का काम करेगा उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी।

ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर से पलटी बस, चालक सहित 13 घायल

जलालपुर (सीतापुर) : सीतापुर-लखनऊ नेशनल हाईवे पर सीतापुर डिपो की बस ने ट्रैक्टर-ट्राली में टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रैक्टर-ट्राली सड़क के दूसरी ओर जा गिरा और बस पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर व रोडवेज बस के चालक-परिचालक सहित 13 लोग घायल हुए। कई अन्य को भी हल्की-फुल्की चोटें आई। बस में 40 लोग यात्रा कर रहे थे। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। हादसा कमलापुर के पीरपुर गांव के समीप हुआ। पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है। मोहत्तेपुर का वसीम पुत्र नासिर, रमुवापुर के चंद्रभाल व कलीम के साथ सीतापुर गल्ला मंडी से धान बेचकर घर वापस जा रहा था। हाईवे पर गांव पीरपुर के पास सीतापुर डिपो की बस ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्राली में टक्कर मार दी। बस भी पलट गई। वसीम, चंद्रभाल व कलीम घायल हो गए। वहीं बस चालक विजय व परिचालक अंकित कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में सवार कई सवारियों को भी चोट गई। बस पलटने की जानकारी पर राहगीर व ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस भी पहुंच गई। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। एसआइ पवन कुमार ने बताया कि हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीमावर्ती पुलिस प्रशासन की हुई अहम बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र/शक्तिनगर -सिंगरौली आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2022 के दृष्टिगत जनपद सोनभद्र के थाना अनपरा एवं शक्तिनगर सीमा से सटे हुए मध्य प्रदेश राज्य के जनपद सिंगरौली के सीमावर्ती थाना विंध्यनगर एवं मोरवा के थाना प्रभारी तथा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षकगण के साथ समन्वय गोष्ठी जनपद सोनभद्र के अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विनोद कुमार द्वारा दोपहर 12 बजे स्थानीय थाना शक्तिनगर मे अहम बैठक कर प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई जैसे सीमावर्ती जनपदों में पड़ने वाले आवागमन के मार्गों की सूची,अंतराज्यीय सीमाओ पर लगाए जाने वाले बैरीयर्स, अंतरराज्जीय सीमाओ पर पड़ने वाले नदियों की पेट्रोलिंग, सीमावती जनपदों के असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों (मथरूर, वारंटीओं, वांछित, अपराधी आदि की सूची एवं उनके विरुद्ध कार्यवाही, अंतरराज्जीय अवैध शराब व मादक पदार्थों की तस्करी रोकने हेतु कार्रवाई, अंतरराज्जीय अवैध असलहों की तस्करी रोकने के संबंध में कार्रवाई, जनपद सोनभद्र के सीमावर्ती अंतर्राराज्जीय जनपदों व थानों का विवरण, राजनीतिक रूप से सक्रिय व्यक्ति चुनाव में व्यवधान डाल सकते हैं उनके संबंध में सूचना/सूची, नक्शल प्रभावित क्षेत्रों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में पेट्रोलिंग /कॉम्बिंग/सर्च ऑपरेशन की कार्यवाही के पूर्व/दौरान की जाने वाली कार्यवाहियों पर समीक्षा की गयी बैठक।

इस बैठक में मौजूद रहे। क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल, नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर नगर देवेश कुमार पाठक, प्रभारी निरीक्षक यूपी सिंह। प्रभारी निरीक्षक मोरवा मनीष त्रिपाठी। अनपरा प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय शक्ति नगर प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्रा वह दर्जनों एसएसआई और कांस्टेबल मौजूद रहे।

ICC का सख्त फैसला, जिंबाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन पर लगाया साढ़े 3 साल का प्रतिबंध

दुबई, । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने जिंबाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर पर 2019 में भारतीय व्यवसायी द्वारा स्पाट फिक्सिंग की पेशकश की रिपोर्ट समय पर नहीं करने के लिए शुक्रवार को साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगाया। आइसीसी ने साथ ही टेलर को इसी प्रकरण के दौरान कोकीन लेने के कारण डोप परीक्षण में विफल रहने के लिए एक महीने

के लिए निलंबित किया है। वैश्विक संस्था ने कहा कि टेलर ने स्वीकार किया है कि उन्होंने आइसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के चार प्रविधानों (अनुच्छेद 2.4.2, 2.4.3, 2.4.4 और 2.4.7) का उल्लंघन किया। आइसीसी ने कहा, 'जिंबाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर को आइसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के प्रविधानों का उल्लंघन करने के चार आरोपों और आइसीसी डोपिंग रोधी संहिता के एक आरोप को स्वीकार करने के बाद साढ़े तीन साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है।' टेलर ने 24 जनवरी को रहस्योद्घाटन किया था कि एक भारतीय व्यवसायी के साथ बैठक के दौरान मूर्खतापूर्वक कोकीन लेने के बाद उन्हें ब्लैकमेल किया गया था। टेलर ने कहा था कि उन्हें भारतीय व्यवसायी द्वारा 2019 में भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट समय पर नहीं करने के कारण कई साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है। टेलर ने दावा किया था कि भारतीय व्यवसायी ने उन्हें भारत में प्रायोजक दिलाने और जिंबाब्वे में एक टी-20 टूर्नामेंट की संभावित योजना पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने व्यवसायी के नाम बताए बिना कहा था कि उन्हें अक्टूबर, 2019 में 15,000 डालर (करीब 11 लाख रुपये) की पेशकश की गई थी।पिछले साल संन्यास लेने वाले 35 वर्षीय टेलर ने 205 वनडे, 34 टेस्ट और 45 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्हें बेंजोलेकोगनाइन के सेवन का दोषी पाया गया था जिसकी वजह कोकीन का सेवन होता है। आइसीसी संहिता में इसे प्रतिबंधित पदाथरें के तहत रखा गया है। टेलर का आठ सितंबर 2021 को जिंबाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच में प्रतियोगिता के दौरान परीक्षण किया गया था। आइसीसी ने कहा, 'आइसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत साढ़े तीन साल के प्रतिबंध के साथ ही एक महीने का निलंबन चलेगा। टेलर 28 जुलाई 2025 के बाद खेल से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र होंगे। टेलर का डोपिंग के लिए निलंबन एक महीने तक इसलिए घटाया गया क्योंकि वह यह साबित करने में सफल रहे कि उन्होंने प्रतियोगिता से इतर इस पदार्थ का सेवन किया था और इसका खेल में प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था तथा वह अभी रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम से गुजर रहे हैं।' आइसीसी ने कहा कि यह फैसला अंतिम है। वैश्विक संस्था ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि टेलर ने भ्रष्ट पेशकशें भ्रष्टाचार रोधी इकाई को 31 मार्च 2020 को जानकारी दी थी जबकि यह घटना उससे पिछले साल नवंबर में घटी थी।

धमाकेदार फार्म में टीम इंडिया, बांग्लादेश के खिलाफ पिछले फाइनल की हार का बदला लेने उतरेगी टीम

ओसबोर्न (एंटीगा), । कोविड-19 संक्रमण से प्रभावित भारतीय टीम अपने महत्वपूर्ण खिलाड.ियों की वापसी से मजबूत होगी और रिकार्ड चार बार की चैंपियन टीम का इरादा शनिवार को अंडर-19

क्रिकेट विश्व कप के तीसरे क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन बांग्लादेश के खिलाफ जीत से अगले दौर में पहुंचने का होगा। भारतीय टीम के आधा दर्जन खिलाड़ी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए थे जिसमें से ज्यादातर संक्रमण से उबर चुके हैं और इस महत्वपूर्ण मुकाबले में खेलने के लिए तैयार हैं। हालांकि टीम में गहराई की बदौलत भारत आसानी से ग्रुप की शीर्ष टीम के तौर पर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। निशांत सिंधू ने कप्तान यश ढुल की अनुपस्थिति में टीम की शानदार अगुआई की, क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ मैच में वह 11 फिट खिलाड.ियों को मैदान में उतारने के लिए भी जूझ रही थी। कप्तान यश ढुल और उप कप्तान शेख रशीद दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण बल्लेबाज हैं और टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छी फार्म में दिख रहे थे। युगांडा के खिलाफ मैच में विजयी शतक जड़ने के बाद सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी और आलराउंडर राज बावा का आत्मविश्वास काफी बढ़ा होगा। बायें हाथ के स्पिनर विक्की ओस्टवाल सात विकेट लेकर टूर्नामेंट में भारत के बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं। बांग्लादेश के बल्लेबाजों के लिए राजवर्धन हेंगरगेकर की रफ्तार का सामना करना आसान नहीं होगा। टूर्नामेंट के 2020 चरण के फाइनल में बांग्लादेश का सामना भारत से हुआ था, जिसमें उसने प्रबल दावेदार को हराकर उलटफेर करते हुए पहला खिताब जीता था। बांग्लादेश के कप्तान रकीबुल हसन उस यादगार फाइनल का हिस्सा थे। यश ढुल (कप्तान), हरनूर सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेख रशीद, निशांत सिंधू, सिद्धार्थ यादव, अनीश्वर गौतम, मानव पारिख, कौशल तांबे, राजवर्धन हेंगरगेकर, विक्की ओस्टवाल, गर्व सांगवान, दिनेश बना, आराध्य यादव, राज बावा, वासु वत्स और रवि कुमार।

अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप : बांग्लादेश से मैच से पहले वासु वत्स की जगह यह खिलाड़ी भारतीय टीम में शामिल

सेंट जोंस, । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (घ्ण्ण) ने शनिवार को पुष्टि की है कि आइसीसी अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 की इवेंट टेकिन्कल कमेटी ने आराध्या यादव को भारत की टीम में वासु वत्स की जगह शामिल होने की मंजूरी दे दी है। वत्स को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है और वह आगे इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। किसी खिलाड़ी के रिपलेशमेंट के लिए इवेंट तकनीकी समिति की स्वीकृति की आवश्यकता होती है। इससे बाद ही खिलाड़ी आधिकारिक तौर पर टीम से जुड़ सकता। बता दें कि भारत का सामना शनिवार शाम को एंटीगुआ और बारबुडा के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में सुपर लीग क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश से होगा। चार बार की चैंपियन टीम इंडिया शानदार फार्म में चल रही है। यश धुल की अगुवाई वाली टीम ने सभी लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। टीम गत चैंपियन बांग्लादेश से बदला लेना भी चाहेगी। साल 2020 में टूर्नामेंट के फाइनल मैच में दोनों टीमों का आमना सामना हुआ था और भारत को हराकर बांग्लादेश चैंपियन बना था। टीम इंडिया ने भले ही लीग स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया हो, लेकिन उसके लिए चुनौती आसान नहीं थी। यश धुल समेत छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हो गए थे। अब सभी खिलाड़ी संक्रमण से उबर गए हैं। हालांकि, टीम के कार्यवाहक कप्तान निशांत सिंधु संक्रमित हो गए हैं और या मैच खेलने से चूक जाएंगे। टीम में उनकी जगह अनीश्वर गौतम को शामिल किया जाएगा। त्रिनिदाद में सात दिनों के आइसोलेशन से गुजरने के बाद शुक्रवार सुबह धुल और अन्य संक्रमित खिलाड़ी एंटीगुआ पहुंचे। वे आयरलैंड के खिलाफ भारत के दूसरे लीग मैच से पहले आइसोलेट हुए थे, जिससे रिकार्ड चार बार की चैंपियन टीम को बड़ा झटका लगा। ये नहीं खेल पाए। सिंधु ने धुल की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व किया। भारत को आयरलैंड के खिलाफ खेल में 11 फिट खिलाड.ियों को मैदान में उतारने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।

विराट कोहली ने बतौर कप्तान वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाए हैं इतने शतक

नई दिल्ली,। भारतीय वनडे टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक शानदार प्रदर्शन रहा है। अब भारत इस टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलने जा रही है। इस क्रिकेट सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से होगी और इसमें विराट कोहली पर नजर रहने वाली है। विराट कोहली का बतौर कप्तान साथ ही बतौर बल्लेबाज भी वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार रिकार्ड रहा है। कोहली कप्तान के तौर पर इस टीम के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में भारत की तरफ से अब तक सिर्फ तीन कप्तानों ने ही शतक लगाए हैं। इसमें विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग शामिल हैं। और सहवाग ने बतौर कप्तान कैरेबियाई टीम के खिलाफ वनडे क्रिकेट में एक-एक शतक लगाए थे।

- 219 रन - वीरेंद्र सहवाग
- 162 रन - रोहित शर्मा
- 159 रन - रोहित शर्मा
- 157ङ रन - विराट कोहली
- 152ङ रन - रोहित शर्मा

इंडिया अंडर-19 टीम के ये पांच खिलाड़ी हो सकते हैं मालामाल, जानें- इनके बारे में

नई दिल्ली। टीम इंडिया के अंडर -19 क्रिकेटर्स को हमेशा से इंडियन प्रीमियर लीग (घ्ड्ढ) की नीलामी में फेंचाइजी काफी तरजीह देती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल सकता है, जब 12 और 13 फरवरी को मेगा आक्शन होगा। वेस्टइंडीज में चल रहे अंडर -19 विश्व कप में इंडिया अंडर-19 के खिलाड.ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।आइपीएल देखते हुए बड़ी

हुई मौजूदा पीढ़ी की निगाहें नीलामी पर तो दूसरी अंडर-19 विश्व कप जीतने पर होगी। 2008 में तत्कालीन अंडर -19 टीम के कप्तान विराट कोहली और उनके साथी रवींद्र जडेजा ने ड्राफ्ट सिस्टम के माध्यम से रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स में जगह बनाई। खिलाड़ी नीलामी के लिए उपलब्ध नहीं थे और स्वाभाविक रूप से पैसा सीमित था। कुछ सालों में नियम बदले और इन युवा खिलाड.ियों को नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी गई और तब से उन्हें अच्छा पैसा मिला और उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया। इ? अंडर-19 क्रिकेटर्स को इसलिए नहीं खरीदा जाता कि ये पहले सीजन से ही अच्छा प्रदर्शन करने लगेंगे। इन्हें भविष्य को ध्यान में रखकर फेंचाइजी बोली लगाती हैं। ऐसे में आइपीएल 2022 की नीलामी कई युवाओं के जीवन को बदल देगी और इस लीग उन्हें दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देगी। आइए बात करते उन पांच वर्तमान टीम इंडिया के अंडर -19 क्रिकेटर्स की जिन्हें 12 और 13 फरवरी को होने वाली नीलामी के दौरान मोटी रकम मिल सकती है। हरनूर सिंहः हरनूर इस साल की अंडर-19 टीम की सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक हैं। वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं और उन्होंने हाल ही में खेले गए मैचों और अंडर-19 विश्व कप में भी कुछ शानदार पारियां खेली हैं। चल रहे अंडर -19 विश्व कप के भारत के दूसरे मैच में वह 88 रनों की पारी के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। हरनूर निश्चित रूप से उन युवा बल्लेबाजों में से एक होंगे, जिसके लिए आइपीएल टीमें बोली लगा सकती हैं। अंगक्रिश रघुवंशीः सलामी बल्लेबाज अंगक्रिश बेहद भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ मैच में 79 रन बनाए और इसके बाद युगांडा के खिलाफ 120 गेंदों पर 144 रन बनाए। ऐसे में आक्शन में इन पर भी नजर रहेगी। राज बावाः राज बावा आलराउंडर है और आइपीएल के लिए सबसे उपयुक्त अंडर-19 खिलाड़ी हैं। वह आराम से 3-4 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं और` बल्लेबाज भी हैं।ˆ ओस्टवाल वर्तमान भारत अंडर -19 टीम में सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5/28 के शानदार गेंदबाजी करके यह बताया था।

मिचेल स्टार्क ने जीता एलन बार्डर मेडल अवार्ड, मिशेल मार्श ने दी कड़ी टक्कर, महज एक वोट से चूके

मेलबर्न। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को आस्ट्रेलिया क्रिकेट का शीर्ष पुरस्कार एलन बार्डर मेडल सम्मान मिला है। वह महज एक वोट से मिशेल मार्श से आगे रहे।

महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क सम्मान मिला। आधिकारिक बयान में कहा गया कि दोनों को पहली बार यह सम्मान मिला है। बता दें कि यह सम्मान पिछले एक साल में खेल के सभी फार्मेट में शानदार प्रदर्शन के लिए किसी खिलाड़ी को मीडिया और अंपायरों द्वारा वोटिंग के बाद प्रदान किया जाता है। गार्डनर ने बल्ले और गेंद दोनों से पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और बेलिंडा क्लार्क सम्मान हासिल किया। 10 पारियों में गार्डनर ने 35.1 के औसत से 281 रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक और हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार टी20 जीत में नाबाद 73 रन का शीर्ष स्कोर शामिल है। गार्डनर ने इसके अलावा नौ विकेट के लिए। सोफी मोलिनक्स 11 विकेट ही उनसे आगे रही। गार्डनर ने आस्ट्रेलिया के शीर्ष तीन बल्लेबाजी और शीर्ष पांच गेंदबाजों में शामिल रहीं। गार्डनर ने को 54 वोट मिले। इसके अलावा बेथ मूनी (47) और एलिसा हीली (39) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। स्टार्क के लिए पिछला साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रहा। उ?होंने सभी प्रारूपों को मिलाकर 24.4 की औसत से स 43 विकेट हासिल किए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को मेंस वनडे प्लेयर आफ द इय्यर के सम्मान से सम्मानित किय गया। गुलाबी गेंद के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक स्टार्क ने एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट की पहली पारी में 4-37 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 25.36 पर 19 विकेट हासिल किए। स्टार्क पिछले 12 महीनों में आस्ट्रेलिया के शीर्ष 10 रन बनाने खिलाड.ियों में शामिल हैं। उन्होंने 26.8 की औसत से 241 रन बनाए। स्टार्क (107 वोट) ने मिशेल मार्श (106) को एक वोट से हराकर एलन बार्डर मेडल हासिल की, जबकि बल्लेबाज ट्रेविस हेड 72 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

राशिफल

मेष-: आज कार्यक्षेत्र में कुछ व्यवधान हो सकता है, इसलिए सावधान रहें और अपना पूरा ध्यान अपने काम पर रखें. छात्रों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यवसाय से जुड़े जातक अपने।

वृष-: आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा. व्यापार के सिलसिले में विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। किसी करीबी के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपके मन में नए विचार आएंगे। परिवार के साथ बाहर जा।

मिथुन-: आज आप अपने काम में आगे बढ़ पाएंगे और योजना के अनुसार काम भी कर पाएंगे. आज अधूरे काम भी सफलतापूर्वक पूरे होंगे। गृह संबंधित योजनाओं पर विचा करने की आवश्यकता है। जब आप अपने प्रिय से दूर हो।

कर्क-: आज आप जो काम करेंगे वो पूरे होंगे और आपको सफलत के साथ-साथ प्रशंसा भी मिलेगी. दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और आज का दिन आपके लिए इतना अनुकूल रहेगा कि आपको धन और प्रतिष्ठा की प्राप्ती।

सिंह-: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। धर्म में आस्था बढ़ेगी, घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। घर में रिश्तेदार आते-जाते रहेंगे। साइंस के छात्रों के लिए दिन बेहतरीन रहेगा करियर के अच्छे ।

कन्या-: आज आप बौद्धिक कार्यों से धन अर्जित करेंगे. आपको आर्थिक लाभ मिलेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने और अपने शौक पूरा करने के लिए पर्याप्त खाली समय है।आपकी खुशी में कोई बाधा नहीं आएगी। आप जो नह.।

तुला-: यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपको नए अवसर मिलने की संभावना रहेगी और आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जिससे आप पहले कभी नहीं मिले लेकिन उससे मिलना आपके लिए फायदेमंद साबित होग।

वृश्चिक-: आज आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग करें. अविवाहितों के लिए दिन अच्छा है, आपकी शादी तय हो सकती है। आपके चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। दोस्तों के साथ बाहर मूवी द।

धनु-: आज अपने करियर पर विशेष ध्यान दें. आज आपको अपने जीवन साथी के प्यार का तोहफा मिलेगा। आलस्य की अधिकता रहेगी। निर्माण सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में उन्नति के योग हैं। अधिकारियों का सहयोग मिल।

मकर-: आज अपने करियर पर विशेष ध्यान दें. आज आपको अपने जीवन साथी के प्यार का तोहफा मिलेगा। आलस्य की अधिकता रहेगी। निर्माण सुख में वृद्धि होगी। नौकरा में उन्नति के योग हैं। अधिकारियों का सहयोग मिल।

कुंभ-: आज बेवजह की चिंताएं आपको परेशान कर सकती हैं, अनावश्यक खर्चों से खुद को दूर रखना होगा. छात्रों को मनचाहा परिणाम पाने के लिए आज कड़ी मेहनत करनी होगी। कार्यक्षेत्र में आपको अपने वरिष्ठ अधिका।

मीन-: आज आपका दिन थका देने वाला रहेगा. घर के कामों में हड़बड़ी रहेगी। यात्रा पर भी जा सकते हैं, यात्रा के दौरान किसी रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है। आज किसी को उधार देने से बचें। आज के दिन की ।

2007 टी-20 विश्व कप फाइनल : जोगिंदर शर्मा की गेंद पर स्कूप खेलने का मिस्बाह को अभी भी मलाल, कही ये बात

नई दिल्ली। आइसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में पाकिस्तान को हराकर टीम इंडिया चैंपियन बनी थी। पाकिस्तान को जीत के लिए पांच गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी। क्रीज पर मिस्बाह उल हक थे। गेंदबाजी जोगिंदर शर्मा कर रहे थे। ओवर की दूसरी गेंद पर मिस्बाह छक्का जड़ चुके थे और ऐसा लगा रहा था मैच भारत के हाथ से निकल गया। तभी पाकिस्तानी बल्लेबाज ने कुछ ऐसा किया, जिसका उन्हें आज भी मलाल है। उन्होंने उन्होंने शार्ट फाइन लेग के ऊपर से स्कूप शाट खेलने की कोशिश की और श्रीसंत के हाथों कैच आउट हो गए। इस तरह महेंद्र सिंह धौनी की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड कप जीतने में सफल रही। अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्वीकार किया है कि 2007 टी 20 विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ स्कूप शाट खेलते समय

वह अति आत्मविश्वास के शिकार हो गए थे। इस ऐतिहासिक घटना के 15 साल बाद पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि उन्होंने टूर्नामेंट में ये शट कई बार खेला था, ऐसे में उन्होंने यह शाट खेली। शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ' मैं हमेशा कहता हूं कि 2007 में हर मैच के दौरान मैंने उस शॉट को खेलते हुए चौके लगाए। यहां तक कि फाइन लेग पर फील्डर होने के बाद भी मैं आस्ट्रेलिया के खिलाफ उस शाट को खेलते हुए सिंगल ले रहा था। स्पिनरों के खिलाफ मैं उस शाट से फाइन लेग के फील्डर को छका देता था। तो आप कह सकते हैं कि मुझे अति आत्मविश्वास हो गया। मैंने उस शाट को मिस टाइम किया, जिस पर मुझे सबसे ज्यादा भरोसा था।' मिस्बाह ने 2008-2015 के बीच 87 टेस्ट और 56 एकदिवसीय मैचों में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रारूपों में 10 टेस्ट शतकों के साथ 11,132 रन बनाए। मिस्बाह ने 2017 में खेल से संन्यास ले लिया और मिकी आर्थर को हटाने के बाद उन्हें पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया, क्योंकि टीम 2019 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही थी। मिस्बाह ने पिछले साल टी20 विश्व कप से कुछ महीने पहले ही पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच की भूमिका से इस्तीफा दे दिया था। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने भी उसी समय मिस्बाह के साथ गेंदबाजी कोच की भूमिका से हट गए थे।

इन तीन भारतीय बल्लेबाजों को अपनी ड्रीम हैट्रिक में आउट करना चाहते हैं पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने अपनी ड्रीम हैट्रिक विकेट का खुलासा किया। उनके मुताबिक वो अपनी ड्रीम हैट्रिक विकेट में मौजूदा भारतीय क्रिकेट टीम के तीन स्टार बल्लेबाजों को आउट करना चाहेंगे। अफरीदी अपनी ड्रीम हैट्रिक विकेट में जिन तीन भारतीय बल्लेबाजों का विकेट लेना चाहते हैं उनमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल मौजूद हैं। आपको बता दें कि शाहीन अफीरीद ने टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लीग मैच में इन तीनों भारतीय बल्लेबाजों को आउट किया था। शाहीन अफरीदी ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के साथ बात करते हुए इसका खुलासा किया। आपको बता दें कि शाहीन अफरीदी ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लीग मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 3 विकेट लिए थे। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 151 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने बाबर आजम और मो. रिजवान की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर जीत के लिए मिले लक्ष्य को हासिल कर लिया था और 10 विकेट से मैच जीत लिया था। अब भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2022 में 23 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा। शाहीन अफरीदी ने टी20 वर्ल्ड कप 2021 के मैच में भारतीय ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा को गोल्डन डक पर आउट किया था। अफरीदी ने अपने दमदार यार्कर से उनका स्टंप उखाड़ दिया था।

सम्पादकीय

यूक्रेन के कारण उत्पन्न हुआ शीत युद्ध जैसा संकट, जिसे टालने में सक्रिय भूमिका निभाने से न हिचके भारत

रूस की ओर से यूक्रेन मामले में कुछ नरमी दिखाए जाने के बावजूद अमेरिका ने जिस तरह एक बार फिर उसे सीधे शब्दों में युद्ध की चेतावनी दी उससे इस संकट पर विश्व की चिंता और गहरा गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नरमी के संकेतों के बीच यूक्रेन को लेकर पश्चिमी देशों को फिर से कठघरे में खड़ा करते हुए नए सिरे से वार्ता की पेशकश की है। पता नहीं यह वार्ता किस तरह आगे बढ़ेगी, लेकिन यह स्पष्ट है कि यूक्रेन के मामले में हालात अमेरिका और सोवियत संघ के बीच दशकों तक चले शीत युद्ध जैसे ही तनावपूर्ण हैं। रूस ने यूक्रेन की सीमाओं पर अपने एक लाख से अधिक सैनिक एकत्र किए हैं और अमेरिका के नेतृत्व में उसके सहयोगी नाटो देश भी सैन्य तैयारी के साथ यूक्रेन को लेकर रूस को किसी दुस्साहस से बचने की नसीहत दे रहे हैं। रूस इससे पहले 2014 में यूक्रेन के हिस्से क्रीमिया पर कब्जा जमा चुका है। तब से लेकर अब तक रूस पर यह आरोप लगता रहा है कि वह यूक्रेन में विद्रोहियों को बढ़ावा दे रहा है ताकि वहां सरकारी कामकाज बाधित हो और परिणामस्वरूप यूक्रेन की सरकार स्वतः कमजोर पड़ जाए। सोवियत संघ के विघटन के समय रूस की पश्चिमी सीमा से सटे कई हिस्से छिटककर अलग राष्ट बन गए थे। उसी कड़ी में 1991 में यूक्रेन एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। यूक्रेन के अस्तित्व में आने से इस क्षेत्र में रूस की सामरिक पकड़ कुछ कमजोर पड़ी। इससे कैस्पियन सागर के आसपास रूस की पैठ भी कमजोर हुई। इतना ही नहीं, उसे एक बंदरगाह भी गंवाना पड़ा। रूस तब से इसी कोशिश में था कि वह क्रीमिया या फिर जिन क्षेत्रों के लोगों का सोवियत संघ से अधिक लगाव रहा हो, उन्हें अपने कब्जे में कर ले और 2014 में उसने बिल्कुल वही किया। अब वह यूक्रेन में भी वही दोहराने की कोशिश में है, क्योंकि यूक्रेन की एक तिहाई आबादी रूसी भाषा बोलती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि रूस विश्व की एक प्रमुख सैन्य शक्ति रहा है। वैश्विक राजनीति में यही उसकी प्रमुख पहचान का पहलू भी है और उसके सामरिक रुतबे का भी स्रोत भी। व्लादिमीर पुतिन जैसे शक्तिशाली नेता का नेतृत्व भी रूस को लगातार कई वर्षों से मिला हुआ है। पुतिन इस प्रयास में हैं कि वह यूक्रेन को किसी भी तरह पश्चिमी खेमे में न जाने दें। इसके तहत वह यूक्रेन सरकार को पूरी तरह अपने अधीन करना चाहते हैं। दूसरी ओर यूरोपीय नाटो देश इस कोशिश में हैं कि यूक्रेन को अमेरिकी नेतृत्व वाले इस संगठन का हिस्सा बनाकर रूस की काट के लिए अपना एक अड्डा तैयार करें। यह माना जा रहा है कि यूक्रेन को नाटो में शामिल कराने के प्रस्ताव के पीछे अमेरिका की पूर्वी यूरोप में अपना दखल बढ़ाने की मंशा है। दौर की बातचीत के बावजूद कोई नतीजा नहीं निकल सका। रूसी हमले की स्थिति में वह यूक्रेन की रक्षा करेंगे और नाटो सेनाएं मोर्चा संभालने में देरी नहीं करेंगी। अमेरिका के हितों की चिंता करने के बजाय यूक्रेन को लेकर पहले नीर-क्षीर निणय्र लेते और फिर कोई कदम उठाते। उन्हें इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि रूस और उससे लगते यूरोपीय देशों के बीच परंपरागत संबंध रहे हैं। यूरोप के कई देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा, विशेषकर गैस की आपूर्ति के लिए भी काफी हद तक रूस पर निर्भर है। यह सुरक्षा यूक्रेन संकट के चलते बाधित हो सकती है। यह यूरोप के अपने हित में है कि वह अमेरिका पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय इस संकट के समाधान के लिए कोई बीच का रास्ता निकालने की पहल करे।

महिला मतदाताओं को बेचारगी के तमगे से उबरने की आवश्यकता

कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूंऽ नारे से उत्तर प्रदेश के चुनाव अभियान का आरंभ करते हुए एक 'पोस्टर गर्लऽ को प्रस्तुत किया। कुछ ही समय बाद पोस्टर गर्ल ने यह कहते हुए स्वयं को अलग कर लिया कि कांग्रेस उनके चेहरे का इस्तेमाल करना बंद करे और किसी दूसरे माडल को चुने। इस घटना के कई मायने निकाले जा सकते हैं। इसे देश में राजनीति को करवट लेने और महिलाओं की चुनावों के प्रति बढ़ती समझ के साथ स्वयं निणय्र लेने की क्षमता विस्तार के तौर पर देखा जाना चाहिए आप क्या सचमुच राजनीति की पोस्टर गर्ल बनना चाहती हैं? अपनी पहचान आरक्षण की दुर्बल सीढ़ी पर चढ़कर ही बनाना चाहती हैं? 'अबला, बेचारगी की टिकुली आपके माथे पर लगाकर टिकट दिया जाए, आप ऐसा ही चुनाव लड?ा चाहती है? या सेलिब्रिटी की पहचान से आकर्षण के जाल में वोट कस लेना चाहती हैं? एक और आखिरी सवाल, क्या वाकई आपको अच्छा फील हो रहा है जब एक पार्टी 40 प्रतिशत टिकट आरक्षण में आधी आबादी को तौल रही है ये जरूरी सवाल उन लोगों से हैं जो इस माहौल को गढ? वाले हैं। या इस समाज से उनकी कननि कटी हुई है कि आज 'आधी आबादीऽ स्वाभिमान के साथ स्वालंबन के बूते खड़ा होना सीख चुकी है। उसे ऐसी बैसाखियों की आड़ में 'कोमलऽ समझने का समय नहीं रहा है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का एक कथ्य है- धर्म का लाभ उठाकर वोट मांगना धर्म का अपमान है। आज के राजनीतिक परिप्रेक्षय में इस कथ्य को देखें तो कुछ ऐसा दिखता है- आधी आबादी की निर्बलता का लाभ उठाकर वोट मांगना नारी का अपमान है। दरअसल हाल ही में मतदाता दिवस था तो इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की यह पंक्ति इंटरनेट मीडिया पर सरपट लाइक हुई जा रही थी। नेताजी यदि आज जीवित होते तो यही सोचते कि आधी आबादी को राजनीतिक दलों ने कैसे सेंटीमेंट और सेलिब्रिटी की पुतली बनाकर चुनावी अखाड़े में उतार दिया है। कहां तो उन्होंने उस कठिन दौर में रानी झांसी रेजिमेंट खड़ी कर स्त्री के स्वाभिमान और स्वालंबन को जागृत किया था। निश्चित ही आज के राजनीतिक दलों में आधी आबादी को इस तरह से दयनीयता का पात्र बना हुआ देख नेताजी यही कथ्य गढ़ते और साथ ही ऐसा करने वालों को चेताते भी। 'अंडरएस्टिमेटऽ करना बंद कीजिए : आज जिन संस्कारों से देश पुषित और पल्लवित हो रहा है वहां टैलेंट देखा जाता है। उसी के बूते मुकाम हासिल होता है। 21वीं सदी के 22वें वर्ष में आप उन्हें 19 आंक कर 'अंडरएस्टिमेटऽ करें यानी उनके मूल्य को कम करके आंके, यह ठीक नहीं है। बात बात पर हम जिस अमेरिका का उदाहरण देते हैं वह कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति बनाकर इतरा रहा है। भारत तो स्वाधीनता के 75वें वर्ष में प्रवेश करने पर अमृत महोत्सव मना रहा है, क्योंकि अब तक वह इस तरह के कई प्रेरक मिसाल पेश करता आया है। राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री तक और राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री तक यहां राजनीति के गौरवान्वित इतिहास लिखे जाते रहे हैं। फिर ऐसे में राजनीतिक दलों का छुटभैयापन, दुर्बलता, निर्बलता के चश्मे से देखना उनकी राजनीतिक इतिहास की कमजोर समझ का परिचायक ही हो सकता है। कहा जा सकता है कि आधी आबादी के प्रति उनका सोच जिस तरह का है वह निश्चित रूप से उनका इस ओर से असंबद्ध होने की भावना को ही प्रदर्शित करता है। आज के दौर में तो इस परिपाटी से उबरने की आवश्यकता है कि हम उन्हें पहले बेचारगी की तरह प्रस्तुत करें और जनता रूपी वोट बैंक, विशेषकर महिला मतदाताओं के बीच वोट की पेशकश करें। दिखावटी आरक्षण : राजनीतिक दल यह घोषणा करते हैं कि चुनाव में टिकट वितरण के दौरान वे महिलाओं को 40 प्रतिशत आरक्षण देंगे। जिस दावे को आज 21वीं सदी के 22 साल बाद पेश किया जा रहा है, इस तरह की पहल तो 20वीं सदी के सातवें-आठवें दशक से भी पहले ही कर देनी चाहिए थी, जब लंबे समय तक सत्ता में उनका दौर था। इंदिरा गांधी के विचार, उनकी राजनीति से हम सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन उनके प्रशासन की अनदेखी नहीं कर सकते। यही कांग्रेस उस दौर में महिलाओं को राजनीति में कितना आगे बढ़ा सकी उसकी तस्वीर देश के समक्ष है। केवल परिवार की वंशावली में महिलाओं को राजनीति में उतारा जाता रहा। तब 'लड़की हूं, लड़ सकती हूंऽ की भावना कहां धूमिल थी। बेटियों के लिए उस दौर में आज की अपेक्षा कहीं अधिक स्वाभिमान जागृत कराने की जरूरत थी। लेकिन आज जब बेटियां अपने दम पर हर क्षेत्र में गौरवगाथा लिख रही हैं तब दिखावटी आरक्षण का ढोल पीटा जा रहा है। इतना ही नहीं, दिखावटी आरक्षण का चीरहरण भी किया जा रहा है। ऐसे चेहरे तलाशे जाते हैं जो कि उन्हें भी स्टंट बनाया जाने लगा? न्याय दिलाने के हितैषी बनने वाले उस वक्त कहां गए थे, जब घटना हुई? तब खुद अपनी पार्टी के बूते न्याय दिलाने की मिसाल पेश की होती तो आज ऐसे षड्यंत्र की जरूरत ही नहीं होती। जनता यूं ही सर माथे लेती। दरअसल वर्ष 2017 में बहुचर्चित रहे उननव दुष्कर्म कांड में पीड़िता की मां को कांग्रेस ने टिकट देने की घोषणा की है। अन्य राजनीतिक दल भी अब इसके उदाहरण हर राज्य के चुनाव के दौरान मिल जाएंगे। उत्तर प्रदेश में ही कांग्रेस से नगमा खुदको आजमा चुकी हैं। हस्तिनापुर से इस बार अर्चना गौतम वोट बटोरने की चाह में चेहरा लेकर उतरी हैं। राजनीति में ऐसे सेलिब्रिटी चेहरों से स्वार्थ पूरे होते आए हैं, लेकिन लोकतंत्र के धनी इस देश की राजनीति का सौंदर्य पोस्टर या मोहरा बनने से नहीं, बल्कि प्रेरक मिसाल बनने से है। आज एक सशक्त महिला के

सेंटीमेंट और सेलिब्रिटी से भरपूर हों। अब ये दोनों ही श्रेणी एकदम विपरीत हैं, तो स्वाभाविक है कि टिकट के लिए अलग-अलग चेहरों की भी खोज होती है। रिसर्च होता है। इसी कड़ी में तो उत्तर प्रदेश के प्रचलित उननव कांड में पीड़िता की मां को टिकट का प्रस्ताव दिया गया। स्वाभाविक है उन्हें क्यों चुना गया? जनता से संवेदनाओं के नाम पर वोट निकलवाने के लिए। अब घर बैठकर तो चुनाव जीता नहीं जाएगा। घर-घर जाकर अपने प्रचार में यही कहना है, 'मैं चूल्हा चौका करने वाली औरत हूं। न भाषण देना जानती हूं। प्रियंका दीदी ने कहा कि आपको बस हाथ जोड़कर कहना है कि मैं दुष्कर्म पीड़िता की मां हूं, बेटी के साथ जो अन्याय हुआ, उसके लिए यह लड़ाई जरूरी है।ऽ क्या इससे वाकई में दोषियों को सजा मिल जाएगी? क्या राजनीति में संवेदनाएं इतनी सिकुड़ गई हैं और निहायती स्वार्थ में डूब गई हैं आगे खामोश हैं। इसी तरह की कोशिश कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भी की गई थी, जब 'निभय्राऽ की मां के समक्ष चुनावी पासा फेंका गया था। मिसाल बनें, मोहरा नहीं : दूसरा स्टंट महिला 'सेलिब्रिटीऽ का है। यह प्रचलन राजनीति में पुरातन काल से प्रचलित है। कोई भी राजनीतिक दल इसकी चकाचौंध से दूर नहीं रहा है। जिसकी सत्ता में चांदी हो उसमें तो इसका अधिक आकर्षण भी रहा है, क्योंकि यहां सेंटीमेंट का मामला नहीं है ऐसे में आकर्षण दो तरफा हो जाता है। एक पार्टी का स्वार्थ होता है तो दूसरा पार्टी से जुड़? वाली महिला सेलिब्रिटी का भी। पुरातन काल से ही चले आ रहे इस स्टंट का लाभ विशुद्ध रूप से जीत-हार तक ही सीमित होता है। यही वजह थी कि बीते वर्षों के दौरान मुंबई से चुनाव हारते ही उर्मिला मातोंडकर ने पार्टी से यूटर्न ले लिया था। ऐसे तमाम रूप में निर्मला सीतरमण जैसी वित्त मंत्री अन्य देशों के समक्ष भारत के लिए गर्व की अनुभूति कराती हैं। सोचिए राजनीति में आधी आबादी को किस रूप में देखना चाहते हैं? राजनीति की रीढ़ बनी प्रेरक महिलाओं की भांति आगे बढ़ाना चाहते हैं। ये मत भूलिए सेलिब्रिटी जैसे अपवादों से भी आधी आबादी को राजनीति को बचाए रखना आपका ही नैतिक कर्तव्य है। इसलिए मिसाल बनिए, मोहरा नहीं। नैया खेवनहार से गेमचेंजर तक ज्ञ चूल्हा चौका की जिम्मेदारी निभा रहीं ग्रामीण परिप्रेक्षय की आधी आबादी से वोट उगलवाने को साड़ी, टिकुली, सिंदूर, लिपस्टिक, और जहां जरूरत पड़े तो गुटखा और शराब जैसे प्रलोभन देकर टरका दो! युवा भारत की बालिकाओं को साधने को स्कूटी, साइकिल जो चाहे दे दो वोट ही तो लेना है। फिलहाल तो यही लग रहा है कि 'मुफ्तऽ का प्रलोभन दो, वोट लो। इस जंग में सब जायज है। एक ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रसारित किया गया इसी संबंध में एक व्यंग्यात्मक विज्ञापन याद आ रहा है। हालांकि वह विज्ञापन मार्केटिंग रणनीति के तहत निर्मित किया गया है, फिर भी उसका जिक्र यहां समीचीन कहा जा सकता है। दरअसल उस विज्ञापन में लिखा है, 'जहां समझो कि कुछ फ्री दिया जा रहा है, तो समझ जाइए आप वहां उत्पाद के रूप में हैं।ऽ राजनीति में फ्री यानी जनता को बहुत कुछ सुविधाएं मुफ्त में देने के वादों की पालिसी पर भी यह तंज बहुत फिट बैठ रहा है। अब आप 'वोटऽ हैं या 'प्रोडक्टऽ खुद तय कर लीजिए, क्योंकि यह बात तो सभी जगह लागू होती है। एक और बात, क्या आज भी आप महिलाओं को चाहे वे घर के चूल्हा चौका से जुड़ी हैं या फाइटर प्लेन चला रही हैं, उन्हें इतना भोथरा समझे बैठे हैं कि सम्मान देने के बजाय उन्हें इन वादों से बहला देना चाहते है। इस नासमझी से उत्तर प्रदेश से गोवा और उत्तराखंड से पंजाब तक सभी चुनावी राज्यों को उबरने की जरूरत है। अब महिला मतदाता को रिझाने से वोट खाते में नहीं जाएगा, बल्कि उसकी शिक्षा, दीक्षा, स्वावलंबन की बात करने से जरूर मत का रास्ता आपको सत्ता तक पहुंचाएगा। यही तो वजह है कि तमाम राजनीतिक दलों में महिला प्रत्याशियों को चुनाव लड़ाने की होड़ मची है। लेकिन वास्तविकता मिसाल के बजाय मोहरा पर आकर टिकी है। राजनीति में गेमचेंजर साबित होने वाली बेटियों की शादी की उम्र 21 वर्ष करने पर आप भले थोथे तर्क देते रहिए, लेकिन 18 की उम्र में प्रवेश करते ही वह सबसे पहले अपना वोटर कार्ड बनवाना नहीं भूलतीं। लगातार मतदान करने में महिला-पुरुष के बीच की घटती खाई इसमें सत्ता की चाहत वालों को डुबो भी सकती है और नैया में बैठा खेवनहार भी साबित हो सकती है। यदि आंकड़ों से ही भरोसा करेंगे तो आपको सीएसडीएस यानी 'स्टडी आफ डेवलपिंग सोसाइटीजऽ की एक रिपोर्ट पर ध्यान देना चाहिए। के लोकसभा चुनाव में 43 प्रतिशत महिलाओं ने बगैर किसी की सलाह के वोट दिया था और बीते लोकसभा चुनाव 2019 में अपने बलबूते ही वोट देने का यह आंकड़ा 81 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

राज्यों की ओर से पर्याप्त अधिकारी न मिलने से केंद्र को अपना तंत्र चलाने में हो रही परेशानी

केंद्र और राज्यों में विभिनन विषयों पर लगातार बढ़ता टकराव अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बीते दिनों सीमा सुरक्षा बल के कार्य क्षेत्र विस्तार को लेकर कुछ राज्यों ने आपत्ति की थी। अब अखिल भारतीय सेवाएं, जिनमें आइएएस, आइपीएस और आइएफएस (भारतीय वन सेवा) जैसी सेवाएं आती हैं, के अधिकारियों की केंद्र में प्रतिनियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय सेवाओं के गठन की व्यवस्था है। उस समय केवल आइएएस और आइपीएस ही दो अखिल भारतीय सेवाएं थीं, फिर 1966 में आइएफएस का गठन

किया गया। इन सेवाओं के गठन का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण भारत में प्रशासनिक एकरूपता और केंद्र एवं राज्यों के अधिकारियों में तालमेल बनाए रखना था। आइएएस, आइपीएस और आइएफएस जैसी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों का चयन, प्रशिक्षण और कैडर आवंटन केंद्र सरकार करती है। राज्य कैडर मिलते ही अधिकारी प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकार के अधीन हो जाते हैं। केंद्र सरकार अपनी आवश्यकतानुसार इन अधिकारियों को राज्यों से लेती है। इसके लिए प्रत्येक राज्य में एक केंद्रीय डेपुटेशन रिजर्व होता है, जो सीनियर ड्यूटी पोस्टों का 40 प्रतिशत होता है। इसी कोटे से केंद्र को अपनी व्यवस्था के लिए अधिकारी मिलते हैं। वर्तमान में केंद्र राज्यों से हर वर्ष ऐसे अधिकारियों की सूची मांगता है जो केंद्र में आने के इच्छुक होते हैं। इसी सूची से केंद्र अधिकारियों का चयन करता है। दुर्भाग्य से विगत कई वर्षों से यह सूची छोटी होती जा रही है। कई बार ऐसा भी होता है कि अधिकारी तो केंद्र में जाना चाहते हैं और केंद्र भी उन्हें लेना चाहता है, परंतु राज्य सरकार कतिपय कारणों से उन्हें कार्यमुक्त नहीं करती। इसका ही नतीजा है कि धीरे-धीरे केंद्र में अधिकारियों की रिक्तियां भारी संख्या में बढ़ गई हैं। इससे केंद्र को अपना तंत्र चलाने में परेशानी हो रही रही है। कुछ उदाहरणों से स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाएगी। वर्ष 2011 में आइएएस संवर्ग के कुल 309 अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। फिलहाल यह संख्या घटकर 223 रह गई है, यानी एक दशक के दौरान प्रतिनियुक्ति पर गए अधिकारियों का आंकड़ा 25 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत रह गया है। वर्ष 2014 में उप-सचिव और निदेशक स्तर पर 621 अधिकारी थे। उनकी संख्या अब बढ़कर 1130 हो गई है। इसके बावजूद प्रतिनियुक्ति पर गए अधिकारियों की संख्या 117 से घटकर 114 रह गई है। भारतीय पुलिस सेवा यानी आइपीएस में तो शायद स्थिति और भी खराब है। देश में आइपीएस के कुल 4984 पद स्वीकृत हैं, उनमें भी 4074 अधिकारी ही उपलब्ध है। मानक के अनुसार इनमें से 1075 अधिकारी सेंट्रल डेपुटेशन रिजर्व में होने चाहिए, परंतु केवल 442 अधिकारी ही प्रतिनियुक्ति पर हैं। यानी 633 अधिकारियों की कमी है। इसमें सबसे अधिक कटौती बंगाल ने की है जिसने केवल 16 प्रतिशत अधिकारी भेजे हैं, वहीं हरियाणा ने 16.13 प्रतिशत, तेलंगाना ने 20 प्रतिशत और कर्नाटक ने 21.74 प्रतिशत। फलस्वरूप केंद्रीय पुलिस संगठनों में भारी संख्या में रिक्तियां हो गई हैं। सीमा सुरक्षा बल में डीआइजी रैंक पर आइपीएस के 26 स्वीकृत पदों में 24 रिक्त हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में भी डीआईजी के 38 स्वीकृत पदों में से 36 रिक्त हैं। सीबीआइ, आइबी व अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों में भी कमोबेश यही कहानी है। भारत सरकार के प्रशिक्षण एवं कार्मिक विभाग ने 20 दिसंबर, 2021 को कैडर प्रबंधन में आ रही दिक्कतों को केंद्र में रखकर राज्य सरकारों को एक पत्र में लिखा कि आइएएस कैडर रूल्स में कुछ परिवर्तन प्रस्तावित हैं। राज्य सरकारें केंद्र सरकार को प्रतिनियुक्ति के लिए सेंट्रल डेपुटेशन रिजर्व के अनुसार निर्धारित संख्या में, स्वीकृति के अंतर्गत वास्तविक संख्या को देखते हुए, एक समय सीमा में अधिकारी उपलब्ध कराएंगी। कितने अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर केंद्र में जाना है, इस बारे में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों की राय लेने के बाद निणय्र करेगी। बंगाल, केरल, तमिलनाडु और झारखंड समेत कुल 11 राज्यों ने केंद्र के इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि इससे संघीय ढांचे पर प्रहार होगा। इस विषय में भारत सरकार ने 12 जनवरी को एक और पत्र लिखा। उसमें कहा गया कि कुछ परिस्थितियों में केंद्र को राज्य से किसी विशेष अधिकारी की आवश्यकता होगी तो राज्य सरकारों को उक्त अधिकारी को उपलब्ध कराना होगा। इससे अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों में बेचैनी हुई है। यह इसलिए, क्योंकि केंद्र और राज्य के बीच टकराव में यदि केंद्र किसी अधिकारी से कुपित होता है और वह उसे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए मांग ले, तो संभव है कि ऐसे अधिकारी को प्रताड़ित किया जाए। इससे पहले 20 दिसंबर को केंद्र ने जो संशोधन प्रस्तावित किए थे, वे उचित थे और उनका विरोध राजनीतिक कारणों से ही हो रहा है। परंतु दूसरे चरण के संशोधन केंद्र को वापस लेने चाहिए ताकि अधिकारियों के मन में उत्पीड? की आशंका न रहे। इसी क्रम में भारत सरकार ने 17 जनवरी को एक और पत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि जो संशोधन आइएएस कैडर रूल्स में प्रस्तावित किए गए थे, तदनुसार वही संशोधन आइपीएस और आइएफएस कैडर रूल्स में भी किए जाएंगे। यह उचित है, क्योंकि अखिल भारतीय सेवाओं के कैडर रूल्स में एकरूपता होनी चाहिए। यह केंद्र का दायित्व है। सरकारिया आयोग ने भी स्पष्ट रूप से लिखा है कि अखिल भारतीय सेवाओं के कैडर मैनेजमेंट में केंद्र सरकार को ही अंतिम निणय्र लेने का अधिकार होना चाहिए। अखिल भारतीय सेवाओं की वर्तमान स्थिति अत्यंत शोचनीय है, जिनमें तमाम सुधार आवश्यक हैं। यह भी स्मरण रहे कि राज्य सरकारों के असहयोग से केंद्र सरकार की गाड़ी को लडख़ड़ाने नहीं दिया जा सकता। राज्य सरकारों को नियमों के दायरे में केंद्र को निर्धारित संख्या में अधिकारी उपलब्ध कराने चाहिए। राज्य में ही टिके रहने की सामंती मानसिकता के अधिकारियों को बाहर जाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। अखिल भारतीय सेवा का सदस्य होने का अर्थ ही यही है कि आप देश में कहीं भी सेवा देने के लिए तत्पर रहें।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने और स्वस्थ एवं शिक्षित भारत का सपना साकार करने वाला हो आम बजट

कोविड-19 की परिस्थितियों में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए वर्ष 2022-23 का बजट पेश करना यकीनन एक बड़ी चुनौती है। उनके समक्ष एक प्रशन यह भी होगा कि चुनावी दौर में आम आदमी को कैसे महसूस कराया जाए कि सरकार उनके हितों के संरक्षक के तौर पर काम कर रही है और साथ ही राजस्व के दायरे का विस्तार भी हो जाए। हाल में एनएसओ द्वारा जारी किए गए प्रथम अग्रिम अनुमानों में कहा गया है कि इस साल की 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेज वृद्धि वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगी। साथ ही नामिनल जीडीपी के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3.1 ट्रिलियन डालर तक हो सकता है। ऐसी सकारात्मकता के बावजूद अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए बजट में क्रमवार रणनीति बनानी होगी जिससे भविष्य में भारत न सिर्फ आत्मनिर्भर भारत बने, बल्कि स्वस्थ एवं शिक्षित भारत का सपना भी साकार हो सके। कोरोना के कारण बढ़ी बेरोजगारी को नियंत्रित करने के लिए बजट में रोजगारपरक विकास को सवीच्च प्राथमिकता देनी होगी। विनिर्माण क्षेत्र की संभावनाओं को पूरी तरह नहीं भुना पाना भारत में बेरोजगारी की समस्या का सबसे प्रमुख कारण है। ऐसे में रोजगारपरक उद्योगों जैसे फार्मा, स्टील, आटोमोबाइल, फूड प्रोसेसिंग और लाजिस्टिक आदि को कर प्रोत्साहनों से ऊंचाई तक पहुंचाया जा सकता है। विनिर्माण क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाले छोटे-छोटे उपकरणों के उत्पादन को कर प्रोत्साहन देकर भारत को उत्पादन हब बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करने होंगे। इससे न सिर्फ रोजगार बढ़ेगा, बल्कि निर्यात में भी एक नया मुकाम हासिल कर भारत को आत्मनिर्भरता बनाया जा सकता है। देश में निवेश की दर पिछले वर्ष की तुलना में ऋणात्मक 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत का होना देश में निवेश के लिए सकारात्मक माहौल को बताता है। सड़कों, राजमार्गों, रेलवे, बिजली, आवास, शहरी परिवहन आदि

बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं में निवेश से रोजगार को बढ़ावा दिए जाने के साथ-साथ देश की विकास दर भी बढ़ाई जा सकती है। कुशल प्रशिक्षण द्वारा श्रमिकों की गुणवत्ता को बढ़ाकर सेवा क्षेत्र में रोजगार की मांग को भी बढ़ाया जा सकता है। पर्यटन एवं एमएसएमई क्षेत्र को कर राहत दी जानी चाहिए जिससे छोटे कारोबारियों के व्यापार को संरक्षण मिल सके। आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को दिशा देने वाले दो प्रमुख क्षेत्रों संचार और अक्षय ऊर्जा पर बजट में विशेष स्थान दिया जा सकता है। डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए 5जी एवं संचार की दिशा में प्रयुक्त तकनीक को और अधिक सस्ता किए जाने की संभावना है। इससे न सिर्फ बैंकिग प्रणाली सुगम होगी, बल्कि अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में व्यवधान कम होने के साथ-साथ आनलाइन ट्रांजेक्शन को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाला समय आनलाइन पाठ्यक्रम, ई-लर्निंग साफ्टवेयर, भाषा एप, वीडियो कांफ्रेंसिंग तकनीक का ही होगा। बच्चों के लिए कोडिंग विकसित करने एवं देश के प्रत्येक छात्र तक शिक्षा की पहुंच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए भावी कार्यबल की दक्षता बढ़ाने के लिए शिक्षा के साथ स्टार्टअप प्रौद्योगिकी में तालमेल स्थापित करना होगा। ग्लासगो समझौते के अंतर्गत कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वित्त मंत्री गैर परंपरागत एवं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र पर मुख्य फोकस कर सकती हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार इस दिशा में न सिर्फ कर प्रोत्साहन दे सकती है, बल्कि इलेक्ट्रानिक उपकरणों के निर्माण और निर्यात प्रोत्साहन के लिए कम जीएसटी के साथ प्रोत्साहन दिए जाने की भी संभावना है। सरकार का प्रयास रहेगा कि कोरोना की तीसरी लहर से लड? के लिए अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन इस प्रकार दिया जाए कि जीएसटी संग्रह किसी भी स्थिति में कम न हो। वित्त मंत्री का प्रयास रहना चाहिए कि जीएसटी को और अधिक सरल बनाकर इसका दायरा बढ़ाया जाए। क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले लाभ को कर दायरे में लाया जा सकता है। रियल एस्टेट मार्केट में तरलता की समस्या को दूर करने के लिए कर में राहत दी जा सकती है। आयकर की सीमा में छूट का सभी को इंतजार रहता है। सरकार हाउसिंग लोन और स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा में परिवर्तन कर सकती है। ग्रामीण भारत के मोर्चे पर किसानों की आय को बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि क्षेत्र में लागत को कम करने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। कृषि में अनुसंधान एवं विकास, कृषि वस्तुओं की शीघ्र आपूर्ति के लिए परिवहन को सुगम बनाना, कृषि के लिए अधिक वित्त, सिंचाई आदि पर विशेष ध्यान दिए जाने की भी संभावना है। मनरेगा द्वारा ग्रामीण मांग को बढ़ाया जा सकता है। असंगठित क्षेत्र एवं बीपीएल परिवारों को नकद हस्तांतरण और खादय सुरक्षा सहायता पर भी वित्त मंत्री का विशेष ध्यान रह सकता है। कोरोना काल में स्वास्थ्य क्षेत्र में जो कमियां उभर कर सामने आई हैं, उनको ठीक करने के लिए बड़े प्रयासों की घोषणा हो सकती है। 15वें वित्त आयोग के अनुसार केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी के चार प्रतिशत तक ही होना चाहिए। कोरोना काल में सामाजिक और आर्थिक जरूरतों को देखते हुए सरकार का यह प्रयास रहना चाहिए कि किसी भी स्थिति में राजकोषीय घाटा छह अथवा 6.5 प्रतिशत से अधिक न हो।

संक्षिप्त समाचार

चीन सीमा पर जम्मू की फौजी बिटिया और उसकी महिला टीम का दिखा जलवा

पौंछ : जम्मू की बेटी सानिया राजपूत इन दिनों अरुणाचल प्रदेश की सरहदी क्षेत्रों में सड़क संपर्क सुचारु करने के एक बड़े मिशन में जुटी हैं। इंटरनेट मीडिया में वायरल उसके जज्बे से भरी तस्वीरों ने जम्मू-कश्मीर के बच्चों से लेकर युवाओं में जोश भर दिया है। अरुणाचल में चीन सीमा से सटे क्षेत्रों में पुलों की देखरेख और मरम्मत का जिम्मा उसके पास है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुल सेना के आवागमन के लिए अहम होते हैं। वहीं सेना में कैप्टन सानिया की काबिलियत पर माता-पिता गर्व महसूस कर रहे हैं। जम्मू संभाग के रियासी जिले के पौनी के गांव भारख की रहने वाली सेना में कैप्टन सानिया हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में तैनात हैं। एक सप्ताह के भीतर उन्हें एक महिला टीम के साथ अपने सेक्टर के किसी एक स्थान पर सिंगल बेली ब्रिज को डी-लान्च करने का चुनौतीपूर्ण कार्य दिया गया। भारतीय इतिहास में यह पहली बार था कि महिलाओं की एक टीम इस ऑपरेशन को कर रही थी क्योंकि बेली ब्रिज डी-लॉन्चिंग कोई आसान काम नहीं था। पुल के हिस्से भारी थे। उन्हें संभालने के दौरान घायल होने का खतरा भी था। इस महिला दल का नेतृत्?व कर रही कैप्?टन सानिया की तस्?वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गईं। वह जोश के साथ टीम के साथ मिल पुल के ढांचे को सावधानी से हटाती दिख रही हैं। कैप्टन सानिया की कमान में डी-लॉन्चिंग आपरेशन बिना किसी दुर्घटना के बड़ी सफलता थी। उन्होंने अब तक अपनी महिला टीम के साथ दो बेली ब्रिज को डी-लान्च किया है। सेना में अधिकारी के रूप में सानिया तीसरी पीढ़ी हैं। उनके पिता जगदेव सिंह चिब और माता अंजना ने बेटी को हमेशा प्रेरित किया।पिता जगदेव सिंह चिब, माता अंजना का कहना है कि सानिया जिस तरह से सेना में कड़ी मेहनत और लगन से कार्य कर रही हैं उससे उन्हें गर्व है। युवा वर्ग को कड़ी मेहनत और लगन चाहिए, ताकि वे भी सानिया की तरह परिवार और देश का नाम रोशन कर सकें।

जम्मू शहर में बनेगा पांच हजार मीट्रिक टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज

जम्मू, : जम्मू शहर के तालाब तिल्लो में पांच हजार मीट्रिक टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज बनेगा। प्रशासनिक परिषद ने इसके निर्माण को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाली प्रशासनिक परिषद की बैठक में फैसला लिया। उपराज्यपाल के सलाहकार फारूक खान, राजीव राय भटनागर के साथ मुख्य सचिव डा. अरुण कुमार मेहता व प्रमुख सचिव नितेश्वर कुमार मौजूद रहे। जम्मू में अपनी तरह के पहले कोल्ड स्टोरेज में फलों और सब्जियों को ताजा रखना संभव होगा। यह मल्टीपल पर्पज कोल्ड स्टोर 2646.73 लाख से तालाब तिल्लो में आठ माह में तैयार होगा। इसका फायदा किसानों को होगा। प्रदेश में दो वर्षों के दौरान जम्मू-कश्मीर सरकार ने कृषि व सहयोगी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए कई अहम फैसले किए हैं। इनमें कृषि व बागवानी की पैदावार बढ़ाने के साथ लंबे समय तक ताजा रखने की दिशा में काम किया जा रहा। इसके लिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है।अब तक प्रदेश में निजी क्षेत्र में 1.98 लाख मीट्रिक टन कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था की है।

बरौला में बसपा प्रत्याशी कृपाराम शर्मा ने मांगा बरौला वासियों का आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा बरौला में बसपा प्रत्याशी कृपाराम शर्मा ने मांगा बरौलावासियों का आशीर्वाद। आज 61 विधानसभा क्षेत्र के बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार श्री कृपाराम शर्मा जी अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह बरौला में जनता के बीच पहुंचे जहाँ जनता ने उनका आगमन काफ़ी जोश और उल्लास किया। श्री कृपाराम शर्मा जी का समर्थन करने पहुँचे पूर्व विधायक सतबीर गुज्जर जी, पूर्व विधायक टेक चंद जी व कार्यक्रता पहुंचे जिन्होंने श्री कृपाराम शर्मा जी जोरो शोरो से किया गया। आगे के क्रम में वो हिंडन विहार,शताब्दी एनक्लेव,यामाहा विहार व कल्याण कुंज में जनता के बीच पहुँचे। श्री कृपाराम शर्मा जी ने वहाँ जनता से बातचीत भी की औए उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता को मौजूदा सरकार की दमनकारी नीतियों से छुटकारा दिलाने व विकास की नई मूरत स्थापित करने का भरोसा दिलाया। साथ ही नोएडा में स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ

शहर का निर्माण,खुले नालों से हो रहे प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए सभी को कवर करना ,नोएडा में भगवान परशुराम जी के भव्य भवन का निर्माण,महिलाओं को सुरक्षा एवं सम्मान और सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान दिलाने का संकल्प लिया। साथ रहे हिमांशु शर्मा, विनोद भारद्वाज, मनोज शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, कपिल शर्मा, आकाश शर्मा, अर्जुन शर्मा, धर्मवीर प्रधान जी , टेक चंद्र शर्मा पूर्व विधायक, धीर सिंह गौतम, संजय बरौला, कैलाश राव, आदि लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली से रोहतक तक बनेगा रैपिड रेल कोरिडोर, 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी ट्रेन, डीपीआर बननी शुरू

बहादुरगढ़ः दिल्ली से रोहतक तक आवागमन करने वाले यात्रियों को बहुत जल्द ही हाईस्पीड रेल कोरिडोर की सौगात मिलने वाली है। दिल्ली से वाया बहादुरगढ़ व सांपला से रोहतक के बीच यह रैपिड रेल कोरिडोर बनाया जाएगा। यह कोरिडोर बनने के बाद यहां पर 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेन चलेगी। इस कोरिडोर के बनने से बहादुरगढ़ के लाखों यात्रियों को काफी सुविधा होगी और वे रोहतक-दिल्ली का सफर बड़े ही आरामदायक तरीके से चंद मिनटों में पूरा कर सकेंगे। यात्री ट्रेन के किराये में हवाई जहाज जैसी यात्रा का आनंद उठा सकेंगे। क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के तहत दिल्ली से रोहतक तक बनने वाले रैपिड रेल कोरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बननी शुरू हो गई है। सांसद अरविंद शर्मा की मांग पर हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यातायात निगम (एनसीआरटीसी) की ओर से यह डीपीआर बनानी शुरू की है। डीपीआर में इस कोरिडोर का एलाइनमेंट, जमीन, स्टेशनों की संख्या, यात्रियों की संख्या, लागत राशि, ऐलिवेटिड व अंडरग्राउंड रेल ट्रैक आदि की पूरी जानकारी होगी। डीपीआर बनने के बाद हरियाणा सरकार की अनुमति मिलने पर इस कोरिडोर के लिए आगामी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल एनसीआरटीसी की ओर से डीपीआर बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

हरियाणा के शहर के लोग परेशान, सेक्टरों में इन्हांसमेंट रिकेलकुलेशन की राशि अब तक अपडेट नही

चंडीगढ़। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) राज्य के विभिन्न सेक्टरों के हजारों

प्लाटधारकों की समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। इन्हांसमेंट रिकेलकुलेशन के बाद प्रदेश के लगभग 25 सेक्टरों की फाइल एचएसवीपी मुख्यालय में पिछले 10 माह से अटकी पड़ी है। एचएसवीपी मुख्यालय द्वारा इन सेक्टरों की राशि अपडेट करने पर अभी कोई निणर्य नहीं लिया जा सका। इस कारण हजारों प्लाटधारकों की समस्या कम होने की बजाय बढ़ रही है। आल सेक्टर रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने नोटिफिकेशन के नियम अनुसार रिकेलकुलेशन की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप वत्स ने बताया कि एचएसवीपी द्वारा पिछले वर्ष तीन मार्च को 'लास्ट एंड फाइनल सेटलमेंट स्कीम' के तहत प्रदेश के 58 सेक्टरों के 15 हजार 430 प्लाटधारकों की राशि अपडेट की गई तथा शेष बचे 25 सेक्टरों की राशि एक माह के अंदर अपडेट करने का आश्वासन प्लाटधारकों को दिया गया था। लेकिन इसके 10 माह बाद भी इस पर कोई निणर्य नहीं हुआ।उ ो इन सेक्टरों के प्लाटधारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सीटू कार्यकर्ताओं की हुई बैठक- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा, मजदूर विरोधी लेबर कोडो को रद्द करवाने और मजदूरों की जीविका की बेहतरी के लिए सीटू द्वारा चलाए जा रहे अभियान

के तहत आज मानी ताऊ एंप्लाइज यूनियन सीटू के कार्यकर्ताओं की बैठक सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर हुई। बैठक में मजदूरों पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ अभियान अभियान को तेज करने का निणर्य लिया गया तथा मजदूर विरोधी प्रदेश की भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करने का आह्वान किया। उक्त के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए मजदूर जन अभियान चलाएंगे। बैठक को सीटू गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा महासचिव राम सागर, मानी ताऊ एंप्लाइज यूनियन के अध्यक्ष फिरोज खान आदि ने संबोधित किया।

सत्ता में आए तो बुजुर्गों को समाजवादी पेंशन और युवाओं को देंगे लैपटॉप :सुनील चौधरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा सपा नोएडा से गठबंधन के प्रत्याशी सुनील चौधरी ने शनिवार को सेक्टर-31,36, 40, 46, 82, 100, 121 पृथला गांव में सपा महानगर के अध्यक्ष दीपक विग की टीम के साथ जनसपंर्क किया। सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। प्रत्येक फसल के लिए एमएसपी प्रदान की जाएगी। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त दी जाएगी। 15 दिन में गनन किसानों का भुगतान किया जाएगा, इसके लिए फॉर्मर रिवाल्विंग फंड बनाया जाएगा। किसानों को ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। समाजवादी पेंशन योजना को फिर शुरू किया जाएगा। जिसके तहत 18,000 प्रति वर्ष गरीब वृद्धों, जरूरत मंद महिलाओं एवं बीपीएल परिवारों को दिया जाएगा। 2012-17 तक सपा ने 55 लाख परिवारों को समाजवादी पेंशन दी है। बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था की जाएगी। नौजवानों को लैपटॉप दिया जाएगा। सपा सरकार ने 18 लाख लैपटॉप बांटे थे। सपा सरकार बनने पर किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक मदद और उनके सम्मान में किसान स्मारक बनाया जाएगा। सांड के हमले में मारे जाने वाले लोग जिसमें अधिकतर ग्रामीण, किसान होते हैं उनके परिवारों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।आईटी के क्षेत्र में 22 लाख रोजगार की व्यवस्था दोहराएं। सपा के कार्यकर्ता हर घर-द्वार सपा के मददगार बने। भाजपा ने किसानों से कहा कि उनकी आय

की जाएगी। पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाएगा। यश भारती सम्मान को दोबारा शुरू किया जाएगा। नगर स्तर पर अपने क्षेत्रों में अच्छा काम करने वालों को 'नगर भारती' सम्मान दिया जाएगा। सरकार बनने पर 10 में समाजवादी थाली देंगे। इस थाली में पौष्टिक आहार होगा। भाजपाके लोग 80 करोड़ लोगों को राशन देने की बात कहे हैं लेकिन ये नहीं कहते हैं कि 80 करोड़ लोगों को बेरोजगार कर दिया। सुनील चौधरी ने कहा कि सम्पर्क, संवाद, सहयोग, सहायता अर्थात मुलाक़ात, मेल-मिलाप, मदद का जनसेवा-सूत्र हम एक संकल्प के रूप में याद रखें और ये संकल्प दोगुनी होगी। फसल समय पर खरीदी जाएगी, उसका भुगतान समय पर होगा। भाजपा आज भी नहीं बता सकती है कि वो तीन कानून क्यों लाए गए थे। वो कानून क्यों वापस ले लिए गए। इस बार भाजपा का राजनैतिक पलायन होगा। बाबा मुख्यमंत्री कभी अयोध्या कभी मथुरा से टिकट मांग रहे थे। लेकिन भाजपा ने उन्हें गोरखपुर भेजकर उनका पलायन कर दिया। उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बननी तय है। सरकार बनने पर जनता से किये गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे । सपा सरकार में हुए विकास कार्यों को पुरा किया जाएगा ।

किसानों मजदूरों की समस्याओं का समाधान करने वाला जमीनी विधायक होना चाहिए

नोएडा भारतीय किसान यूनियन (भानू) के प्रदेश सचिव रवि राघव ने कहा है कि क्षेत्र का विधायक गांव का विकास और किसानों की समस्याओं को हल करने वाला होना चाहिए, क्षेत्र का किया जाना चाहिए। आवारा पशु किसानों की फसल बर्बाद कर रहे हैं रात को फसलों की रखवाली करनी पड़ रही है इस मसले का भी हल किया जाना चाहिए किसानों को फसलों का वाजिब मूल्य नहीं

प्रतिनिधि ऐसा होना चाहिए जो खेती बाड़ी और किसानों की परेशानियों से अच्छी तरह वाकिफ हो तभी वह उन समस्याओं का निदान कर पाएगा, उन्होंने आगे कहा है कि वर्षों से अतिरिक्त मुआवजे व आबादी के मामले लंबित हैं किसानों की इन समस्याओं का भी निराकरण मिलता है हमें ऐसे नेता की जरूरत है जो फसलों को सरकारी मूल्य पर बिकवाने की व्यवस्था कराएं, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद हुई हैं किसानों की बर्बाद फसल का मुआवजा भी दिलवा सके ऐसा प्रतिनिधि हमे चाहिए।

बिहार के मंत्री सहनी ने अपनाए बागी तेवर, कहा- जरूरत पड़ी तो पीएम-सीएम मुर्दाबाद भी बोलूंगा

पटना : विधान परिषद चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए में झगड़ा बढ़ गया है। विकासशील इंसान पार्टी प्रमुख और पशु मत्स्य संसाधन मंत्री मुकेश सहनी ने अपनी पार्टी की अनेदखी के बाद बागी तेवर बाद अगली बार बिहार-झारखंड में भी प्रत्याशी देगी। एक सवाल पर कहा, वे लोग हमें गठबंधन में रखेंगे या नहीं हमें अभी पता नहीं। यह सब उनपर निर्भर करता है। वीआइपी सुप्रीमो ने कहा उन्हें उनका

अपना लिए हैं। सहनी ने रविवार को कहा कि जरूरत पड़ी तो पीएम और सीएम मुर्दाबाद के नारे लगाएंगे। एक बताशा (गांव में मिलने वाली एक मिठाई) तो चाहिए चाहे इसके लिए मंदिर टूटे या मस्जिद। उन्होंने फिर एलान किया परिषद की सीट नहीं दी गई तो सभी 24 सीटों पर उनकी पार्टी उम्मीदवार उतारेगी। सहनी ने कहा 2020 में भाजपा कमजोर थी, तो हमें साथ लिया। आज मजबूत मान धोखा किया जा रहा है। रालोजपा तक को एक सीट दी जा रही है। जीतनराम मांझी और उन्हें कमतर आंका जा रहा है। उन्होंने कहा वे नीतीश कुमार के साथ हैं और सरकार चलाने में मदद कर रहे हैं। सहनी ने कहा जो खुद का हिटलर समझते हैं, उन्हें नहीं पता अब हिटलरशाही नहीं चलती। उनकी पार्टी यूपी के हिस्सा मिलना चाहिए। बताशा तो एक चाहिए ही। एक प्रशन पर बोले, पार्टी विधायक नहीं जनता और कार्यकर्ता से चलती है। जनता चाहेगी तो चार से 24 विधायक बना देगी। जरूरत पड़ी तो जनता उन्हें मुख्यमंत्री भी बना देगी। बिहार में जो कुछ नहीं जानते वे भी मुख्यमंत्री बन चुके हैं, तो मल्लाह का बेटा क्यों नहीं बन सकता है। मुकेश सहनी ने कहा कि हम नीतीश कुमार सरकार की ईमानदारी से मदद कर रहे थे और आगे भी करते रहेंगे। सरकार हमें कमजोर समझ रही है, पर उनका आकलन ठीक नहीं है। हम चार से 24 हो सकते हैं और 130 सीटें भी ला सकते हैं। पशुपालन मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि एनडीए के साथ हमारा गठबंधन रहेगा या नहीं यह उनको तय करना है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव ने ईडी के सामने कहा अवैध तरीके से ट्रांस्फर-पोस्टिंग भी करवाते थे अनिल देशमुख

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। राज्य के पूर्व मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को यह बताकर उनकी मुसीबत और बढ़ा दी है कि वह उनके पास अवैध तरीके से ट्रांस्फर व पोस्टिंग के लिए अपने निजी सचिव के जरिए पुलिस अधिकारियों की सूची भेजते थे, जिसे मानना उनके (कुंटे) लिए बाध्यता होती थी। अनिल देशमुख 100 करोड़ रुपये की वसूली के मामले में पहले से ईडी और सीबीआई के निशाने पर हैं। ईडी ने उन्हें गिरफ्तार भी कर रखा है।

स्थापना दिवस पर ग्रेनो प्राधिकरणकर्मियों को मिला सम्मान

ईज ऑफ डूइंग में यूपी को दूसरे नंबर पर लाने में ग्रेनो की भूमिका अहम, देश भर में अपनाया जाएगा ग्रेटर नोएडा का एलईडी स्ट्रीट लाइट मॉडल

नोएडा कोविड और अपने विभागीय कार्यों में अहम योगदान निभाने वाले ग्रेनो प्राधिकरण के कई विभागों के विभागाध्यक्षों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। ग्रेटर नोएडा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्राधिकरण ऑडिटोरियम में आयोजित सादे समारोह में प्राधिकरणकमिर्यों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिंह दिए गए। प्राधिकरण की एसीईओ अदिति सिंह, दीप चंद्र व अमनदीप डुली समेत अन्य अफसरों ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि ग्रेटर नोएडा से हम लोग जुड़े हैं। हम सबको इसे बसाने का मौका मिला है। ग्रेटर नोएडा भविष्य का शहर है। ग्रेटर नोएडा न सिर्फ भारत, बल्कि वैश्विक पटल पर भविष्य के शहर के रूप में उभर रहा है। ग्रेटर नोएडा में तीन लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। ईज ऑफ डूइंग में यूपी को दूसरे पायदान पर लाने में ग्रेटर नोएडा की अहम भूमिका रही है। कोविड के बावजूद उद्योग विभाग ने पारदर्शिता के साथ आवंटन किया, उसकी वजह से रेवेन्यू अधिक प्राप्त हुआ है। ग्रेनो के औद्योगिक आवंटन प्रक्रिया की हर जगह सराहना होती है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा औद्योगिक निवेश का हॉट स्पॉट है। देश का सबसे डाटा सेंटर ग्रेटर नोएडा में स्थापित होने जा रहा है। सीईओ ने कहा कि आवासीय विभाग ने अभियान चलाकर लोगों के नाम रजिस्ट्री की है। बिल्डर विभाग ने फ्लैट खरीदारों के काफी मसले हल कराए हैं। किसानों की छह फीसदी आबादी प्लॉट देने में भूलेख, नियोजन, प्रोजेक्ट समेत अन्य विभागों ने काफी काम किया है। गांवों में सेक्टर की तरह विकास की जरूरत है। प्रोजेक्ट विभाग हर जिम्मेदारी को 24 घंटे सातों दिन जुटकर काम किया है। कोविड में हर विभाग ने अहम योगदान निभाया। कोविड मरीजों की मदद की। उनके लिए खाना पहुंचाया। उस घर व मोहल्ले में सैनिटाइज कराया, जहां कोविड की सबसे ज्यादा है। नरेंद्र भूषण ने कहा कि हिंडन और नोएडा एयरपोर्ट बनने से एनसीआर का केंद्र ग्रेटर नोएडा बनने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में एलईडी स्ट्रीट लाइट का मॉडल देश भर में फैलेगा। जलापूर्ति व सीवेज सिस्टम को सुधारने में बहुत काम हुए हैं। 90 से 250 फीसदी तक अधिक रेट पर वाणिज्यिक संपत्ति बेची गई है। सी एंड डी वेस्ट और रेमेडिएशन प्लांट के जरिए ग्रेटर नोएडा के मलबे से जल्द ही उत्पाद बनने लगेंगे। ग्रेटर नोएडा का सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का मॉडल देश भर में लागू होगा। वित्त विभाग, नियोजन, लीगल, सीआर सेल, सिस्टम विभाग व कार्मिक विभाग ने भी बहुत काम किए हैं। ईआरपी, ई-ऑफिस व वन मैप जीआईएस के जरिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पेपरलेस हो गया है। इस अवसर पर ग्रेनो प्राधिकरण के एसीईओ अदिति सिंह ने प्राधिकरणकमिर्यों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ काम करने की सीख दी। एसीईओ दीप चंद्र ने सभी विभागों की सराहना की। उन्होंने प्राधिकरणकमिर्यों से और नए कीर्तिमान स्थापित करने की अपील की। इस अवसर पर बिल्डर, नियोजन, प्रोजेक्ट, आईटी, संस्थागत, वाणिज्यिक, सिस्टम समेत कई विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक एके अरोड़ा व आरके देव, डीजीएम सीके त्रिपाठी व केआर वर्मा, डीजीएम वित्त मोनिका चतुर्वेदी, ओएसडी संतोष कुमार व नवीन कुमार सिंह, डीजीएम सलिल यादव आदि मौजूद रहे।

बीवियां ही भरोसेमंद, उम्मीदवार पार्टी नेताओं के बजाय सिर्फ पत्नियों को बना रहे कवरिंग कैंडिडेट

जालंधर। इस बार प्रत्याशियों ने अपनी पतिन्यों पर अधिक विश्वास जताया है। इस विधानसभा चुनाव में अधिकतर उम्मीदवारों ने अपनी पतिन्यों को कवरिंग कैंडिडेट बनाया है। इन्हें पार्टी के नेताओं व वर्करों पर ज्यादा भरोसा नहीं है। इसके साथ-साथ चुनाव की अधिकतर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी उन्होंने अपनी पतिन्यों के कंधों पर डाली हुई है। इसमें चुनाव का बजट प्रबंधन से लेकर डोर टू डोर प्रचार करने तक की जिम्मेदारी तक शामिल है। अभी तक दाखिल हुए नामांकन पत्रों में चर्चित प्रत्याशियों ने इस बार अपने साथी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं व समर्थकों से अधिक विश्वास अपनी पतिन्यों पर जताया है।नार्थ हलके से भाजपा के प्रत्याशी केडी भंडारी की कवरिंग कैंडिडेट उनकी पतने नीना भंडारी हैं। अधिकतर प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल करते समय कवरिंग के रूप में पतने का नामांकन करवाया है। ऐसे में स्क्रूटनी के दौरान अगर प्रत्याशी के दस्तावेजों में कोई कमी रह जाती है तो उनके स्थान पर कवरिंग कैंडिडेट के रूप में उसकी पतने चुनाव मैदान में डटी रहेंगी। चुनाव आयोग ने इस बार प्रत्याशी द्वारा खर्च किए जाने की सीमा 40 लाख रुपये निर्धारित कर रखी है। ऐसे में प्रत्याशियों ने अपने खर्च का हिसाब किताब रखने के लिए अकाउंटेंट से ज्यादा अपनी पतने को प्राथमिकता दी है। इसके तहत प्रचार सामग्री से लेकर तमाम तरह के खर्च का हिसाब उनकी पतिन्यां देख रही हैं। इसी तरह कई प्रत्याशियों ने तो पैसों का भुगतान करने के लिए भी पतिन्यों पर ही विश्वास जताया है।

सीएम चन्नी को दो सीटों से मैदान में उतारने में कांग्रेस का बड़ा खेल

चंडीगढ़।पंजाब के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चनने को दो सीटों से चुनाव लड़ाने का दांव खेलकर बड़ी सियासी चाल चली है। दरअसल, इससे कांग्रेस ने राज्?य के मालवा क्षेत्र में मजबूत आम आदमी पार्टी (ंइ) और शिरोमणि अकाली दल (ऐंअ) के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। वैसे चन्?नी के दो सीटों से चुनाव मैदान में उतरने को लेकर कांग्रेसऔर विरोधी दलों में बयानबाजी भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है मुख्यमंत्री मालवा में आम आदमी पार्टी के गढ़ में चुनौती देने के लिए भदौड़ गए हैं। वहीं, विरोधियों ने कहा है कि वह हार के डर से भदौड़ भाग गए। दूसरी

ओर, यह बात भी सामने आई है कि कांग्रेस में सीएम चन्?नी को जलालाबाद से चुनाव लड़ाने का दबाव था, लेकिन पार्टी ने उनको आप (ंइ) के गढ़ से उतारने का फैसला किया। कांग्रेस में यह मांग उठ रही थी कि चनने को शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के सामने उसी तरह मैदान में उतारना चाहिए, जिस प्रकार शिअद ने बिक्रम सिंह मजीठिया को नवजोत सिद्धू को उतारा है। जलालाबाद में 56 प्रतिशत राय सिख बिरादरी है। इस लिए यह मांग उठ रही थी कि चनने को सुखबीर बादल के सामने उतारकर शिअद की रणनीति को झटका दिया जाए, लेकिन पार्टी ने चनने को बरनाला के भदौड़ से टिकट दिया। भदौड़ सीट से 2017 में आम आदमी पार्टी के पिरमल सिंह चुनाव जीते थे। पिरमल सिंह बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वहीं, चमकौर साहिब और भदौड़ से चनने को चुनाव लड़वा कर कांग्रेस पार्टी ने यह संकेत दे दिए है कि वह ही मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। लगातार यह कहा जा रहा था कि चमकौर साहिब सीट से चनने की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि इस सीट से जट सिख चनने के साथ नहीं थे। पिछले दिनों दिल्ली के मुख्यमंत्री अर□वद केजरीवाल ने भी दावा किया था कि चनने चमकौर साहिब सीट से हार रहे हैं। दिल्ली के मुख्यंमत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'मैंने कहा था कि हमारे सर्वे के मुताबिक चनने जी चमकौर साहिब से हार रहे हैं। आज कांग्रेस ने एलान किया है कि वो दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इसका मतलब सर्वे सच है?

शादी के बाद मौनी रॉय ने पूल पार्टी में किया एंजॉय, मंदिरा बेदी ने शेयर की पार्टी की तस्वीरें

नई दिल्ली, । बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस मौनी और सूरज नांबियर बीते गुरूवार को गोवा में शादी रचा ली है। इस शादी समारोह में दोनों परिवार के लोग व कुछ खास दोस्त शामिल हुए थे। वहीं शादी के बाद मौनी ने पूल पार्टी का आयोजन भी किया था, जहां उनके अच्छी दोस्त और एक्ट्रेस मंद्रिरा बेदी ने भी शिरकत की। मंदिरा ने पूल पार्टी से पहले की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की है, जिसमें वो नई नवेली दुल्हन मौनी रॉय के साथ पोज देती दिख रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों एक्ट्रेसेस हरे कलर की. ड्रेस में पोज देती देखी जा सकती हैं। वहीं उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो रोहिण अय्यर, अनु सोरू और वैनेसा के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं।

इस तस्वीर को मंदिरा ने हैशटैग पूल पार्टी के साथ शेयर किया है। सोशल मीडिया पर सूरज नांबियार और मौनी रॉय की प्री-वेडिंग पिक्चर्स की तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थी। बता दें कि मौनी रॉय और सूरज नांबियार की पहली मुलाकात दुबई में हुई थी, जिसके बाद इन दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने लगे और लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया। वहीं मौनी रॉय और सूरज नांबियार की शादी बंगला और हिंदू रीति-रिवाजों से हुई संपन हुई, जिसकी कई तस्वीरें वायरल हुई थीं। इन तस्वीरों में मौनी लाल रंग के बॉर्डर वाली व्हाइट साड़ी के साथ खूबरसूरत ज्वेलरी पहने हुए बेहद सुंदर दिख रहीं थीं। बात अगर मौनी रॉय के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री मुख्य विलेन की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। में मेगास्टार अमिताभ बच्चन, और नागर्जुन भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म इस साल सिंतबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ट्रांस्पैरेंट ड्रेस पहन घर ने निकलीं रकुल प्रीत सिंह हुईं ऊप्स मोमेंट का शिकार, नजर आई आरपार की शुद्धता

नई दिल्ली, ।ै्रुत् झ्रिू एग्हुप् ददजे स्दसहूः रकुल प्रीत सिंह ने यूं तो अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साउथ इंडियन फिल्मों से की थी, पर अजय देवगन की 'दे दे प्यारी दे' से बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई। रकुल इनदिनों फिल्मों से ज्यादा इंटरनेट पर पॉपुलर हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी हॉट तस्वीरों से लाग लगाती हैं। हाल ही में रकुल प्रीत की एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें वो ऊप्स मोमेंट की शिकार होतीं नजर आ रहीं हैं। दरअसल, रकुल प्रीत सिंह की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं, इसमें वो एक ब्लैक कलर की ट्रांस्पैरेंट वनपीस पहने हुए हैं। ड्रेस इतनी ज्यादा पादर्शी थी कि रकुल ने ध्यान नहीं दिया और लाइट पड़ते ही आरपार की शुद्धता नजर आने लगी। ड्रेस में एक्ट्रेस के अंडरगार्मेंट साफ नजर आ रहे थे। शायद रकुल को इसका अंदाजा हो गया था, क्योंकि वो जल्दी से गाड़ी में बैठकर निकल गईं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही रकुल ने दीपिका पादुकोण की फिल्म

गहराइयां के टाइटल सॉन्ग पर अपना वीडियो शेयर किया। एक्ट्रेस ने इस सॉन्ग पर अपने कुछ स्टिल तस्वीरों को लगाया है। इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर कर रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, खुद से और अपनों से प्यार होना हर सुबह को उठने लायक बना देता है। गहराइयां मोड। एक्ट्रेस के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया गया। साथ ही फैंस ने कमेंट कर जमकर रिएक्शन दिए। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही रकुल प्रीत सिंह के बर्थडे के मौके पर पिछले एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल किया। एक रोमांटिक फोटो शेयर करते हुए जैकी ने फैंस को ये खुशखबरी दी। इस फोटो में रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी एक दूसरे का हाथ थामे हुए नजर आ रहे थे। पोस्ट शेयर कर जैकी ने लिखा था- तुम जब साथ नहीं होती हो तो अधूरे लगते हैं दिन, सबसे टेस्टी खाना भी तुम्हारे बिना खाने में मजा नहीं आता। दुनिया की सबसे खूबसूरत शख्सियत को मैं जन्मदिन की शुभकामनाएं भेज रहा हूं, जो दुनिया है मेरी।

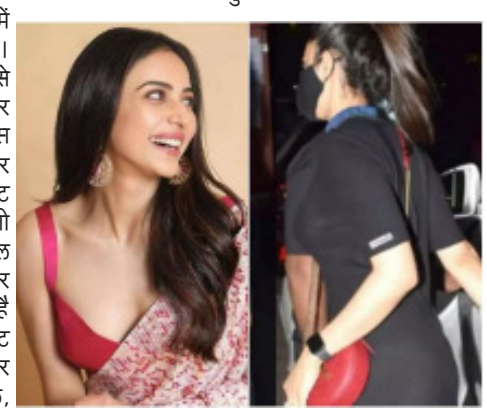

देवों के देव महादेव' की 'पार्वती' का बोल्ड अवतार देख भड़के लोग, डीप नेक वनपीस ड्रेस में तस्वीर देख कहा, 'ये कुछ ज्यादा नहीं हो गया

नई दिल्ली, । फेमस धार्मिक शो 'देवों के देव महादेव' में 'पार्वती' का किरदार निभाने वाली टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी इन दिनों सोशल अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर आ रही हैं। इस दौरान उनका हॉट क्लीवेज साफ नजर रहा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि पूजा कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं फ्लोरल प्रिंट वनपीस ड्रेस में

लगातार चर्चा में बनीं हुई हैं। पूजा ने भले ही पर्दे पर सिंपल रोल ?प्ले किया हो लेकिन रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। पूजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को हैरान करती रहती हैं। इसी बीच पूजा की एक बोल्ड तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में 'पार्वती' यानी पूजा का ये रूप देखकर फैंस काफी हैरान हैं। यहां देखें तस्वीर... एक्ट्रेस पूजा बनर्जी का ये ऑफस्क्रीन बोल्ड अवतार उनके फैंस को दीवाना बनाता नजर आ रहा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि पूजा ने बेहद डीप नेक वनपीस ड्रेस में नजर वह कहर ढाती दिख रही हैं। इस दौरान उनके बाल ओपन हैं। वहीं इस तस्वीर में पूजा के पीछे का व्यू बेहद ही खूबसूरत नजर आ रहा है। पूजा की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर जहां कई फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं तो कई नाराजगी जता रहे हैं। पूजा की इस तस्वीर को अबतक काफी बार देखा जा चुका है। वहीं इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, 'उफ्फ अब जान लेके रहोगे।' तो वहीं एक लिखता है, 'भाई यार कितनी ऑसम है।' तो एक यूजर लिखता है, 'ये कुछ ज्यादा नहीं हो गया।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप ऐसा क्यों करते हैं?'

मौनी रॉय ने संगीत सेरेमनी में जमकर लगाए ठुमके

नई दिल्ली,। एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने बॉयफ्रेंड सूरज नांब?ियार संग मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों के अनुसार सात फेरे ले लिए हैं। उनके लैव?िश वेड?िंग ने सोशल मीडिया पर खूब सुखिऱ्या बटोरी थी। अब उनके संगीत सेरेमनी के कई वीड?ियोज भी सामने आए हैं। जिसमें वह अपने फ्रेंड्ज के साथ जमकर डांस करती हुई नजर आ रही हैं। खूबसूरत मौनी की ग्रेसफुल परफॉर्मेंस उनके फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। ये सभी वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। वीड?ियोज में मौनी अपने दोस्त राहुल और पति सूरज के साथ बॉलीवुड के टॉप गानों पर एंजॉय करती दिखाई दी। इसके साथ ही उन्होंने 'घर मोरे परदेस?िया' पर सोलो परफॉर्मेंस देकर सबका दिल जीता। सेरेमनी के डांस की वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। संगीत सेरेमनी में मौनी ऑफ व्हाइट और गोल्डन कॉम्बीनेशन का हेवी एंब्रॉयडरी वर्क लहंगा पहने हुए नजर आईं। उन्होंने घुंघराले खुले बालों के साथ लाइट मेकअप कर रखा था। कुंदन की जूलरी, हाथों में मेहंदी और शांखा-पोला पहने मौनी कहर ढा रही थीं।

वहीं दूल्हे राजा सूरज नांब?ियार भी ब्लैक आउटफ?िट में अपनी नई नवेली स्टाइलिश दुल्हनिया को कॉम्प्लीमेंट कर रहे थें। मौनी ने अपने संगीत सेरेमनी पर एक से बड़ कर एक पावर पैक डांस परफॉर्मेंस दिए। उन्होंने एक्टर र्जुन बिजलानी के साथ देसी गर्ल गाने पर भी डांस किया। मौनी और अर्जुन के डांस पर खूब सीटी बजी। मौनी और अर्जुन के डांस का वीडियो उनके फैन पेज ने शेयर किया है। सूरज और मौनी के संगीत सेरेमनी का एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें न्यूली वेड कपल केक काटते नजर आ रहा हैं। सूरज और मौनी ने केक कट कर एक दूसरे को किस भी किया। जिस पर अर्जुन बिजलानी मौनी को छेड़ते हुए भी दिखे। बता दें, शादी में मौनी दो अलग-अलग लुक में नजर आयीं थी। पहले वह ऑफ व्हाइट रेड बॉर्डर साड़ी के साथ साउथ इंडियन गोल्डन ज्वैलरी में दिखी तो वहीं दूसरे लुक में हैवी लाल जोड़े में नजर आईं। लेकिन मौनी दोनों ही ब्राइडल लुक में बला की खूबसूरत लग रही थीं।

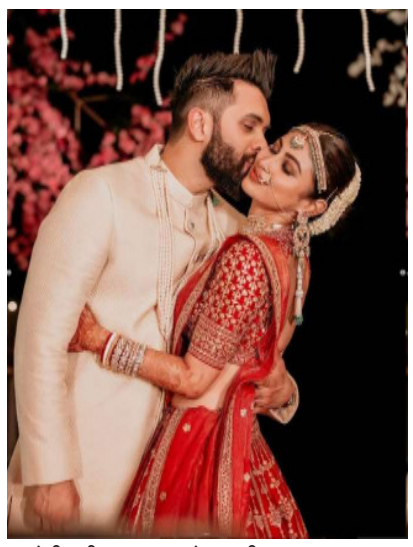

'तारक मेहता' की 'सोनू' को बोल्ड ऑफ शोल्डर ड्रेस में देख यूजर ने कहा

नई दिल्ली, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' कॉमेडी शो है बीते 13 सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो में अबतक न जानें कितने कलाकार आए और गए। लेकिन शो छोड़ने के बाद भी कई कलाकार ऐसे हैं जिन्हें आज भी दर्शक काफी पसंद करते हैं। एक ऐसी ही चाइल्ड आर्टिस्ट इस शो में रहीं जिन्हें दर्शकों ने छोटे से बड़ा होते देखा है। हम बात कर रहे हैं शो में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम 'सोनू भिडे' का किरदार निभाने वाली निधि भानुशाली की। आज निधि का काफी बड़ी और हॉट हो चुकी हैं। शो में आज भले ही निधि काम नहीं कर रही हैं लेकिन दर्शक आज भी उन्हें भूले नहीं हैं। आज निधि एक्टिंग से भले ही दूरी बना चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही अपने एडवेंचरस ट्रिप की तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। इसी बीच निधि का एक लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनका हॉट अवतार देख फैंस हैरान हैं। यहां देखें वीडियो... निधि भानुशाली ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना एक लेटेस्ट वीडियो पोस्ट किया हैं। इस वीडियो में निधि अपना सिंगिंग टैलेंट दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि निधि बेहद कम रौशनी में नजर आ रही हैं। इस दौरान निधि ने बेहद बोल्ड ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना हुआ है। वहीं निधि 'तू बोले ग्लास आधा खाली...' गाना गाती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनकी एक्सप्रेशन गानें के शब्दों से काफी मैच कर रहे हैं। वहीं लोगों को सोशल मीडिया पर पहली बार निधि के निए टैलेंट के बारे में भी पता चला। निधि के गाने को जहां सोशल मीडिया पर कई यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं तो कइऱ्यों को ये अच्छा नहीं लगा। वहीं कई उन्हें वापस से एक्टिंग में करियर बनाने की सलाह देते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को अबतक लाखों लोग देख चुके हैं। वहीं इस पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'इसे सुनने के बाद मुझे नींद आ गई।' तो वहीं एक लिखता है, 'सोनू बेटा मस्ती नहीं।' इसी पर एक दूसरा यूजर लिखता है, 'आप अच्छी एक्ट्रेस हैं..तो क्यों न अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित करे....मुझे लगता है कि आप एक सुपर स्टार बन जाएंगीं।'

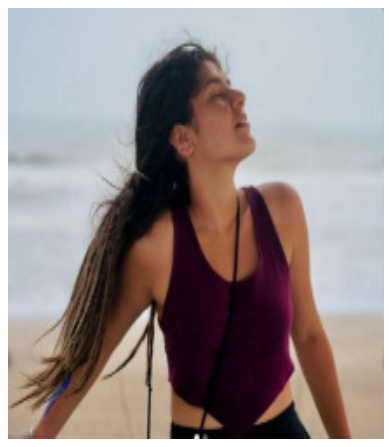

जेठालाल से नाराज हुईं बबीता जी, अब कभी नहीं दिखाएंगी टप्पू के पापा को अपना चेहरा

नई दिल्ली, । जेठालाल की जिंदगी में दो ही सुख हैं, एक जलेबी फाफड़ा और दूसरी बबीता जी। सूर्य को चल चढ़ाते वक्त या दुकान जाते वक्त अगर बबीता जी के दर्शन हो जाएं तो क्या ही कहना। जेठालाल की जिंदगी में बहार आ जाती है जब भी उन्हें अपनी क्रश के दर्शन होते हैं। और तब स्वाद बिगड़ जाता है जब उनके साथ अय्यर भाई हों.. खैर अब जो हम आपको बताने जा रहे हैं उसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं होगा। जेठालाल की लाइफ लाइन बबीता जी उनसे रूठ गई हैं। वैसे तो टप्पू के पापा के जीवन में मुसीबतें आती रहतीं हैं पर ये उनके साथ हुई अब तक की सबसे बुरी घटना है। हुआ ये कि, जेठालाल के हाथ से एक बहुत बड़ी बिजनेस डील निकल जाती है। वो उदास और परेशान सोसाइटी कंपाउंड में गोकुलधामवासियों को अपनी दुख भरी कहानी सुना रहे होते हैं। तभी अंजाने में उनके मुंह से निकल जाता है कि, 'न जाने किसका बदकिस्मत चेहरा देखा होगा जिससे उनका ये नुकसान हो गया है'। जेठालाल को परेशानी में याद नहीं रहा कि कि वो सुबह बबीता और अय्यर से मिले थे। ये सुनते ही बबीता जी को बुरा लग जाता है। बबीता को लगता है कि जेठालाल की डील उनके और अय्यर की वजह से खराब हो गई है। बस फिर क्या था बबीता जी ने जेठालाल से दूर रहने की ठान ली हैं, उन्हें फैसला किया कि वो अब कभी उनसे सुबह नहीं मिलेंगी। अनजाने में भी अगर जेठालाल उनके सामने भी आएं तो वो मुंह फेर लेंगी। ये सुनकर जेठालाल की पैरों तले की जमीन ही निकल जाती है। वैसे तो परेशानियों और जेठालाल का नाता रोज का है पर यहां मामला दिल का है। अब आने वाले एपिसोड में ये देखना दिलचस्प होगा कि जेठा कैसे बबीता जी को मनाएंगे।

Urfie Javed की प्रीवेडिंग की तस्वीर हुई वायरल, इस फेमस सिंगर संग करने जा रहीं हैं शादी

नई दिल्ली, । 'बिग बॉस ओटीटी' की बवाली कंटेस्टेंट उर्फी जावेद इन दिनों लगातार चर्चा में बनीं हुई हैं। ?'बिग बॉस' के बाद उर्फी काफी पॉपुलर हो गईं हैं। उर्फी जावेद अक्सर ही अपनी बोल्ड तस्वीरों और वीडियो की वजह से इंटरनेट पर छाई रहती हैं। वहीं उनका हर फैशन देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। हलांकि कई बार उनके कपड़ों और फैशन को देखकर फैंस का सिर जरुर घूम जाता है। इसकी वजह से उन्हें जमकर ट्रोल भी किया जाता हैं। लेकिन अब उनके चाहने वालों का दिल टूटने वाला है। उर्फी शादी करने जा रही हैं और उनकी प्री-वेडिंग की तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। जानें कौन है उर्फी का होने वाला हमसफर... उर्फी जावेद ने अपने आधिकारि?क इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर वह एक शख्स के साथ काफी कोजी होती नजर आ रही हैं। वहीं इस तस्वीर के साथ उर्फी ने लिखा, 'प्री-वेडिंग शूट।' इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि उर्फी के आस पास काफी बर्फ नजर आ रही है। वहीं उर्फी इस वक्त व्हाइट कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं उनके साथ जो शख्स खड़ा है उसने ब्लैक पैंट के साथ चेक वाली शर्ट पहनी है। इस दौरान दोनों काफी खूबसूरत नजर आ रहे हैं। अब आपके दिमाग में ये बात आ रही होगी कि आखिर ये शख्स कौन है और क्या वाकई उर्फी जावेद इनके साथ शादी करने जा रही हैं। बता दें कि ऐसा कुछ भी नहीं है उर्फी ने जो 'प्री-वेडिंग शूट' की तस्वीर शेयर की है वो उनके किए नए गाने की शूटिंग के दौरान ली गई फोटो है। इस तस्वीर में उनके साथ कोई और नहीं बल्कि सिंगर कुंवर हैं। दोनों अपने किसी नए प्रोजेक्ट की शूटिंग किसी बर्फीली जगह पर माइनस डिग्री सेल्सियस तापमान में शूट कर रही हैं। आपको बता दें कि उर्फी ने सिंगर कुंवर के साथ अपना एक वीडियो भी इंस्टाग्राप पर शेयर किया है। इस वीडियो में ठंड से उर्फी की हालत खराब होती नजर आ रही हैं। वह कांपती हुई सिंगर की शर्ट पकड़कर उनके साथ 'तू जाने ना' गाना गा रही हैं। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए बताया कि वह माइनस डिग्री टेम्प्रेचर में हैं जिससे उनकी ये हालत हो गई है।

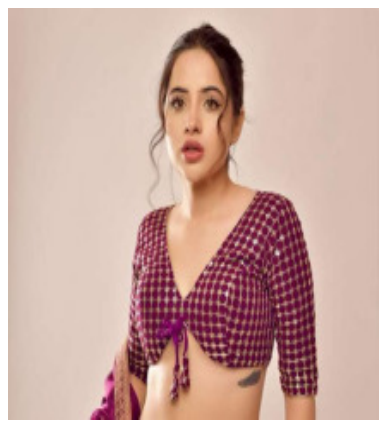

कंगना रनोट ने कोविड-19 से उभरे लोगों को योग और ध्यान का अपनी दिनचर्या में शामिल करने की दी सलाह

नई दिल्ली, । कंगना रनोट अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वो अक्सर देश के समसमायिक मुद्दों पर अपनी राय भी व्यक्त करती रहती हैं। साथ ही अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट भी शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर कोविड- 19 से उभरने के बाद आने वाली परेशानियों के बारे में बात की है। साथ ही उन्होंने फैंस से कोविड-19 के बाद अपने शरीर की देखभाल करने का आग्रह किया है। कंगना रनोट ने इस पोस्ट को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर लिखा, वो सभी जिन्हें कोविड़-19 हुआ हो या वैक्सीन लगवाई हो, कृपया अपने विटामिन डी3 और बी12 के स्तर की जांच कराएं और उनके सप्लीमेंट्स को बिना किसी पहवाह के शुरू करें... योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें या आपने किसी अन्य प्रकार का व्यायाम करते हैं, तो उसमें ध्यान या प्राणायमा को जरूर जोड़े...। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आप ये नहीं जान सकते हैं कि आपका शरीर कैसे स्ट्रागल कर रहा है। जब तक कि इसके काम को परिस्थितियों से ना परखा जाए.... अपने पसंदीदा अभिनेता एक पोस्ट को शेयर किया है। इस फोटो को अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए हैं। इसको शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी सर ने अपना घर खुद डिजाइन किया है। बहुत खूबसूरत है, बहुत-बहुत मुबारकबाद सर। बता दें, कंनाग रनोट इन दिनों अपनी पहली प्रोडक्शंन फिल्म टीकू वेड्स शेरू की आखिरी शेड्यूल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्माण कंगना के प्रोडक्शंस हाउस मर्णिकर्णिका फिल्म के बैनर तले किया जा रहा हैमें भी लीड किरदार में आने वाली हैं।

वेब सीरीज से डिजिटल डेब्यू कर रहे मिथुन चक्रवर्ती, जानें- कब और किस OTT प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

नई दिल्ली, । ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के देश में प्रचार और प्रसार के साथ कई बेहतरीन अभिनेता और अभिनेत्रियों ने ओटीटी का रुख किया है। अब इनमें भारतीय सिनेमा के आइकॉनिक स्टार मिथुन चक्रवर्ती का नाम भी जुड़ गया है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अपने अभिनय की पारी शुरू करने जा रहे हैं। सिनेमा की दुनिया में डिस्को डांसर की पहचान रखने वाले मिथुन अमेजन प्राइम वीडियो की ओरिजिनल वेब सीरीज बेस्टसेलर से ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। शुक्रवार को प्राइम ने सीरीज की रिलीज डेट का एलान पोस्टर के साथ किया। सोशल मीडिया में शेयर किये गये पोस्टर पर सीरीज की मुख्य स्टार कास्ट को दिखाया गया है। मिथुन चक्रवर्ती कुर्सी पर अपने चिर-परिचित अंदाज में बैठे हुए हैं। सिर पर काले बालों का विग और ग्रे दाढ़ी-मूंछ उनके लुक अतरंगी बना रहे हैं। श्रुति हासन आगे खड़ी हैं। सत्यजीत दुबे और गौहर खान पीछे खड़े हैं, वहीं सबसे दिलचस्प अंदाज में अर्जुन बाजवा दिख रहे हैं, जो किताबों के ऊंचे ढेर पर बैठे हुए हैं। किताबों का यह ढेर इस सीरीज के शीर्षक बेस्टसेलर की सार्थकता बयां कर रहा है। पोस्टर काफी दिलचस्प है और सीरीज के लिए उत्सुकता जगाता है। जानकारी के मुताबिक, बेस्टसेलर एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर वेब सीरीज है, जिसका निर्देशन मुकुल अभ्यंकर ने किया है। अन्विता दत्त और अल्थिया कौशल ने इसे लिखा है। सोनाली कुलकर्णी भी इस सीरीज में एक अहम भूमिका में दिखेंगी। आठ एपिसोड की सीरीज बेस्टसेलर 18 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। बेस्टसेलर की कहानी को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आयी है। मगर, प्राइम के मुताबिक यह एक रोमांचकारी नए ज़माने की सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है, जिसमें एक ऐसी दुनिया का ताना-बाना बुना गया है, जहां हर काम के कई मतलब होते हैं। जब दो अजनबी जिंदगी का एक-दूसरे से सामना होता है, तो उनकी दबी हुई प्रेरणाएं और हसरतें उभरकर सामने आ जाती हैं और कई लोगों के जीवन पर असर डालती हैं। ले जायेगी और उन्हें बांधे रखेगी

शहनाज गिल ने शेयर किया अपना बिग बॉस 15 का लुक, शिमरी साड़ी में फैंस पर ढाया कहर

नई दिल्ली, । बिग बॉस का सीजन 15 काफी उतार-चढ़ाव देखने के बाद अब अपने अंतिम पड़ाव में पहुंच गया है। शो के ग्रैंड फिनाले में चार चांद लगाने के लिए पिछले सीजन्स के कई कंटेस्टेंट्स को इनवाइट किया गया है। जिनमें पंजाब की कटरीना कैफ के नाम से मशहूर शहनाज गिल भी शामिल हैं। वह बिग बॉस 13 की काफी पॉपुलर मेंबर रही थीं।ँ 15 के सेट पर जाने से पहले शहनाज ने अपना लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा हैं जिसमें वह मनीष मल्होत्रा की डिजाइनर पिंक कलर की शिमरी साड़ी पहने नजर आ रही हैंउनका हर अंदाज जुदा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।